WWW.Kanchanujala.in

हिन्दी दैनिक

kanchanujala14@gmail.com

कंचन उजाला

लखनऊ से प्रकाशित

सच्चाई के साथ

वर्षः 01 अंक : 223 | लखनऊ, गुरुवार, 30 जुलाई, 2020 | पृष्ठ- 6 | मूल्य - 1 रुपये

बॉलीवुड का खलनायक 61 साल का हुआ

राफेल का गृह प्रवेश

अंबाला एयरबेस पर गरजते हुए उतरे पांचों लड़ाकू विमान

मोदी बोले- राष्ट्र रक्षा के समान यज्ञ नहीं, राफेल का स्वागत है

नयी दिल्ली, एजेंसी। फ्रांस से 7 हजार किलोमीटर की दूरी तय करके 5 राफेल बुधवार दोपहर करीब 3.15 बजे अंबाला एयरबेस पर उतरे। राफेल ने कुछ देर तक अंबाला के आसमान पर गरजते हुए उड़ान भरी और फिर एयरबेस पर स्मूद लैंडिंग की। पांचों राफेल एक ही एयरस्ट्रिप पर एक के बाद एक उतरे। इसके बाद इन्हें वॉटर कैनन सैल्यूट दिया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संस्कृत का श्लोक ट्वीट किया, राष्ट्ररक्षा के समान पुण्य नहीं, राष्ट्ररक्षा के समान व्रत नहीं और राष्ट्ररक्षा के समान यज्ञ नहीं। राफेल का स्वागत है। राफेल की अगवानी वायुसेना प्रमुख एयरचीफ मार्शल आरकेएस भदौरिया समेत वेस्टर्न एयर कमांड के कई

अधिकारियों ने की। अंबाला एयरबेस पर 17वीं गोल्डन एरो स्क्वॉड्रन राफेल की पहली स्क्वाड्रन है। 22 साल बाद भारत को 5 नए फाइटर प्लेन मिले हैं। इससे पहले 1997 में भारत को रूस से सुखोई मिले थे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राफेल की लैंडिंग के तुरंत बाद ट्वीट किया। उन्होंने लिखा- चिड़ियां अंबाला में सुरक्षित उतर गईं। भारत की सरजमीं पर राफेल का उतरना सैन्य इतिहास में एक नए युग की शुरुआत है। जब राफेल की टुकड़ी ने भारत के एयरस्पेस में प्रवेश किया, तब उसका आईएनएस कोलकाता से संपर्क हुआ। नौसेना के इस जहाज ने राफेल के पायलट से संपर्क साधा और कहा- 'एरो लीडर, हिंद महासागर में आपका स्वागत है। हैप्पी लैंडिंग, हैप्पी हंटिंग। एटमी हथियार ले जाने की ताकत रखने वाला ये विमान दुनिया में अकेला ऐसा फाइटर एयरक्राफ्ट है, जो 55 हजार फीट की ऊंचाई से भी दुश्मन को तबाह करने की ताकत रखता है। सबसे अहम बात यह है कि ये काबिलियत हमारे पड़ोसियों पाकिस्तान और चीन दोनों की ही सेना के पास नहीं है। पांचों राफेल जब भारतीय सीमा में पहुंचे तो इनके साथ 2 सुखोई30-एमकेआई लड़ाकू विमान ने भी उड़ान भरी। 5 विमानों की बैच में सबसे पहले विमान को वायुसेना की 17वीं गोल्डन एरो स्क्वॉड्रन के कमांडिंग ऑफिसर और शौर्य चक्र विजेता ग्रुप कैप्टन हरकीरत सिंह ने लैंड करवाया। पीछे-पीछे 4 अन्य राफेल लैंड हुए। इस मौके पर राफेल को लाने वाले पायलटों के परिवार भी मौजूद रहे। ग्रुप कैप्टन हरकीरत सिंह किसी परिचय के मोहताज नहीं। इंजन खराब इंजन के बावजूद जान जोखिम में डालकर विमान को सुरक्षित लैंड कराने के लिए उन्हें शौर्य चक्र से नवाजा गया था।

कोरोना के 5 लाख से अधिक सक्रिय मामले, 9.88 लाख संक्रमणमुक्त

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना वायरस संक्रमण के मरीजों की संख्या में 12,459 की वृद्धि होने से सक्रिय मामले पांच लाख से अधिक हो गये तथा इस दौरान 768 लोगों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा 34 हजार के पार पहुंच गया।

पिछले 24 घंटे में 33 लोगों की मौत

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में पिछले 24 घंटे के दौरान कोविड-19 संक्रमित 33 और लोगों की मौत के साथ ही मृतक संख्या डेढ़ हजार से अधिक हो गई है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अमित मोहन प्रसाद ने बुधवार को बताया कि पिछले 24 घंटे के दौरान प्रदेश में कोविड-19 से संक्रमित 33 और लोगों की मौत हो गई है। इस प्रकार प्रदेश में इस वायरस से मरने वालों की संख्या बढ़कर 1530 हो गई है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में अब तक 45807 मरीज पूरी तरह ठीक होकर डिस्चार्ज हो चुके हैं।

केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से बुधवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक देश में एक दिन में 35,286 लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं जिससे स्वस्थ होने वालों की कुल संख्या 9,88,029 हो गयी है। इसी अवधि में सक्रिय मामलों में 12,459 की वृद्धि हुई जिससे इनकी संख्या 5,09,447 हो गयी। मृतकों की संख्या 34,193 हो गयी है। देश में पिछले 24 घंटों के दौरान 48 हजार से अधिक नये मामले सामने आने से संक्रमितों की कुल संख्या 15.31 के पार पहुंच गयी है। दिल्ली, गोवा, जम्मू-कश्मीर,महाराष्ट्र, मिजोरम,पंजाब और पश्चिम बंगाल को छोड़कर देश के अन्य राज्यों में सक्रिय मामले बढ़े हैं। महाराष्ट्र में जहां सक्रिय मामलों में 2898 की कमी आयी है, वहीं दिल्ली में 107, पंजाब में 97 गोवा में 17, पश्चिम बंगाल में नौ, जम्मू-कश्मीर में छह और मिजोरम में पांच की कमी आयी है। इस महामारी से सर्वाधिक प्रभावित महाराष्ट्र में लगातार दूसरे दिन स्वस्थ होने वालों की संख्या में वृद्धि होने से सक्रिय मामलों में गिरावट आयी है।

पीएम मोदी-अमित शाह ने भारत की तकदीर और तस्वीर बदल दीः नड्डा

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत कोरोना वायरस के साथ-साथ सीमा पर पाकिस्तान और चीन का भी मजबूती से मुकाबला कर रहा है। आज का भारत पहले वाला भारत नहीं रहा। भारत की इस छवि को दुनिया भी समझ रही है। नड्डा ने नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि कोरोना वायरस के परिणामस्वरूप देश भर में लागू किए गए लॉकडाउन के दौरान भाजपा ने जो सेवा का कार्य किया वह पहले कभी नहीं हुआ। भाजपा अध्यक्ष ने जम्मू एवं कश्मीर से धारा 370 निरस्त करने, तीन तलाक की प्रथा खत्म करने और नागरिकता संशोधन कानून सहित पिछले छह सालों में मोदी सरकार की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यह प्रधानमंत्री मोदी

की ''इच्छाशक्ति और अमित शाह की रणनीति के चलते सफल हुई है। उन्होंने कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में जो काम हुए हैं, उन्होंने जो देश की तकदीर और तस्वीर बदली है। अंतरराष्ट्रीय दृष्टि से भारत की जो छवि बनी है। आज जब चीन के साथ गतिरोध चल रहा है, तो दुनिया को समझ में आ रहा है कि भारत बदल चुका है। आज हम कोरोना से लड़ रहे हैं। आज हम पाकिस्तान से भी लड़ रहे है और चीन के साथ भी गलवान में गतिरोध में खड़े हैं। हमारी सेना खड़ी है और 130 करोड का सारा देश खड़ा है।लॉकडाउन के दौरान भाजपा संगठन की ओर से देश भर में चलाए गए सेवा कार्यक्रमों की चर्चा करते हुए भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि इस अवधि में भी पार्टी ने डिजीटल माध्यमों का इस्तेमाल करते हुए जनता के साथ संपर्क बनाए रखा। सारे राजनीतिक दल लॉकडाउन में लॉकडाउन हो गए थे। आज भी हैं। यह भाजपा है, जिसने वीडियो कांफ्रेंस और डिजिटल माध्यमों का इस्तेमाल करते हुए संपर्क अभियान को ऊपर से लेकर नीचे तक आगे बढ़ाया है।

मुस्लिम महिला ने भेजी मोदी, व 'रामलला' के लिए राखी

अलीगढ़, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ से भाजपा नेत्री रूबी आसिफ खान ने 5 अगस्त को राम मंदिर की नींव रखी जाने पर खुशी जताई है। उन्होंने नींव रखने जा रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व रामलला के लिए राखियां भेजी हैं। बता दें कि रूबी आसिफखान भाजपा में शहर के महावीर गंज मंडल महिला मोर्चा में मंत्री हैं। उन्होंने राम मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारियों व रामलला के लिए भी राखियां भेजी हैं। रूबी ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद मंदिर विवाद खत्म हो गया अब 5 अगस्त को पीएम नरेंद्र मोदी मंदिर की नींव रखेंगे। इसी खुशी में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राम मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपालदास, महामंत्री चंपत राय, कोषाध्यक्ष गोविंद गुरु जी को राखी भेजी हैं। एक राखी रामलला के लिए भी भेजी है।

उप्रः तीसरे अपहृत व्यक्ति के मृत पाए जाने के बाद गुस्से में योगी

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ राज्य में अपहरण और हत्या के बढ़ रहे मामले से कथित तौर पर बहुत गुस्से में हैं। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री ने अब अधिकारियों से कहा है कि या तो वे परिणाम दिखाएं अन्यथा कार्रवाई का सामना करें। योगी का यह तेवर कानपुर देहात में मंगलवार को सामने आए अपहरण और हत्या के एक और मामले के बाद दिखा है। इसी तरह की घटनाएं इसके पहले कानपुर और गोरखपुर में सामने आ चुकी हैं। आदित्यनाथ ने यह भी कहा है कि आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और उनके खिलाफराष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत मुकदमा दर्ज किया जाएगा, जो संबंधित सरकार को किसी भी संदिग्ध

को बगैर किसी आरोप के 12 साल तक जेल में रखने का अधिकार देता है। राज्य के पुलिस महानिदेशक एच.सी. अवस्थी ने भी मंगलवार देर रात सभी पुलिसकर्मियों के लिए एक एडवायजरी जारी की और उनसे कहा कि अपहरण की शिकायतों से त्वरित और गंभीरता से निपटा जाए। ये सारी कवायद ऐसे समय में हो रही है, जब कानपुर देहात में मंगलवार को एक और व्यक्ति की अपहरण के बाद हत्या कर दी गई। उसका शव एक कुंए में पाया गया। पीड़ित ब्रजेश पाल को कथित रूप से 16 जुलाई को भोगनीपुर से अपहृत किया गया था।

तस्करी के आरोप में चार इराकी नागरिक गिरफ्तार

गुरुग्राम, एजेंसी। चार इराकी नागरिकों को वर्जित और नशीली इंजेक्शनों की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा शहर के दो समृद्ध इलाकों में छापे के दौरान 74 लाख रुपये से अधिक की नकदी भी बरामद की गई थी। आरोपियों की पहचान अकरम फैज (21), अब्स राद नीलमा अल हेंदी (31) के रूप में की गई है, उन्हें सेक्टर 57 से गिरफ्तार किया गया। जबकि मोहनेद (26) और ओथमना (27) को सेक्टर 47 से गिरफ्तार किया गया। एक अधिकारी ने मंगलवार को कहा कि सभी चार आरोपी बगदाद के रहने वाले हैं और स्टडी वीजा पर यहां आए थे। वे 2016 से अपने देश में गलत तरीके से ड्रग्स की आपूर्ति करने के काम में शामिल थे। गुरुग्राम के ड्रग कंट्रोलर अमनदीप सिंह चौहान ने कहा, जांच के दौरान पता चला है कि पढ़ाई के लिए लिया गया।

नौसेना ने चीन के साथ सीमा विवाद के बाद हिंद महासागर क्षेत्र में तैनाती बढ़ाई

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय नौसेना ने पूर्वी लद्दाख में सीमा विवाद के मद्देनजर चीन को स्पष्ट संदेश देने के लिए हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में अग्रिम पंक्तियों के युद्धपोतों तथा पनडुब्बियों को बड़ी संख्या में तैनात किया है। एक शीर्ष रक्षा सूत्र ने बुधवार को यह जानकारी दी। एक सूत्र ने बताया कि चीन इस संदेश को समझ गया है। भारतीय नौसेना ने गलवान घाटी में 15 जून को हिंसक झड़पों में भारत के 20 जवानों की शहादत के बाद बढ़ते तनाव के बीच हिंद महासागर क्षेत्र में युद्धपोत और पनडुब्बियों को तैनात किया था। रक्षा सूत्रों ने कहा कि सरकार ने थल सेना, वायु सेना और नौसेना के साथ मिलकर बहुपक्षीय तरीका अपनाते हुए तथा राजनयिक एवं आर्थिक कदमों के साथ चीन को यह कड़ा और स्पष्ट संदेश दिया है कि पूर्वी लद्दाख में उसका दुस्साहस बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है। इस पर सूत्रों ने कहा कि आईओआर में चीनी जहाजों की गतिविधियां बढ़ती नहीं दिखाई दीं। उन्होंने कहा कि इसका कारण यह हो सकता है कि क्षेत्र में बीजिंग के विस्तारवादी क्षेत्रीय दावों पर अमेरिका के कड़े विरोध के बाद दक्षिण चीन सागर में पीएलए की नौसेना ने बड़ी संख्या में अपने संसाधनों को लगाया है। अमेरिका ने नौवहन की स्वतंत्रता का संदेश देने के लिए दक्षिण चीन सागर में बड़ी संख्या में युद्धपोत भेजे थे और इस क्षेत्र में चीन के साथ क्षेत्रीय विवाद रखने वाले देशों को समर्थन जताया था। भारतीय नौसेना तेजी से उभरते क्षेत्रीय सुरक्षा परिदृश्य के मद्देनजर अमेरिका तथा जापान जैसे अनेक मित्र देशों के नौसैनिक बलों के साथ अपने अभियान संबंधी सहयोग को भी बढ़ा रही है।

आतंकी खतरे को देखते हुए अयोध्या में हाई अलर्ट

अयोध्या, एजेंसी। केंद्रीय खुफिया एजेंसियों ने राज्य पुलिस को अगले सप्ताह अयोध्या में राम मंदिर के भूमिपूजन समारोह को बाधित करने और हमला करने के संभावित प्रयासों के मद्देनजर सचेत किया है। भूमिपूजन समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हिस्सा लेने वाले हैं। उत्तर प्रदेश में कानून प्रवर्तन से जुड़ीं सभी एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। राज्य सरकार के साथ साझा किए गए इंटेल नोट की जानकारी में कहा गया है कि पाकिस्तान के आईएसआई समर्थित आतंकवादी संगठन द्वारा पांच अगस्त को हमले को अंजाम देने की कोशिश की जा रही है। आईएसआई ने लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद के शीर्ष नेतृत्व

को हमला करने का आदेश दिया है। यह आतंकी हमला भीड़-भाड़ वाली जगह पर हो सकता है। ह्यूमन इंटेलिजेंस और इलेक्ट्रॉनिक इंटरसेप्ट्स के आधार पर यह संदेह जताया जा रहा है कि आतंकवादियों का एक छोटा समूह देश में घुसपैठ कर सकता है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, भूमिपूजन समारोह के लिए सुरक्षा-व्यवस्था उच्चस्तर पर होगी। संयोगवश इसी दिन कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने की पहली वर्षगांठ भी है।

राफेल विमानों की फोटोग्राफी पर प्रतिबंध

अंबाला, एजेंसी। हरियाणा के अंबाला शहर में एक हवाई अड्डे पर पांच राफेल विमानों के उतरने से कुछ घंटे पहले स्थानीय प्रशासन ने प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया। इसमें वायुसेना संपत्ति और राफेल हवाई जहाजों की फेटोग्राफी पर प्रतिबंध लगा दिया गया, साथ ही सुरक्षा को भी बढ़ाया गया। ये निषेधात्मक आदेश पूरे दिन लागू रहेंगे। यहां तक कि मीडियाकर्मियों के लिए राफेल विमान के वीडियो और तस्वीरें लेने को भी वर्जित किया गया है। एक आदेश में कहा गया है, वायु सेना स्टेशन के आसपास के इलाकों में असामाजिक तत्वों की आवाजाही और इस इवेंट के दौरान आसपास के गांवों के घरों से तस्वीरें लेने वाले मीडियाकर्मियों से इंकार नहीं किया जा सकता है। यह सुरक्षा को खतरे में डाल देगा। राफेल विमान के यहां आने के दौरान अंबाला वायुसेना स्टेशन की सुरक्षा सुनिश्चित करना सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है।

साध्वी प्रज्ञा को मिली जान से मारने की धमकी राम मंदिर भूमिपूजन से जुड़ा है मामला

भोपाल, एजेंसी। भोपाल की बीजेपी सांसद प्रज्ञा ठाकुर को किसी ने अज्ञात नंबर से से धमकी दी है। इस मामले की रिपोर्ट कमला नगर थाने में दर्ज की गई है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। फोन करने वाले शख्स ने साध्वी प्रज्ञा ठाकुर, पीएम मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के लिए अपशब्दों का भी प्रयोग किया है। बताया जा रहा है कि साध्वी प्रज्ञा को ये फोन राम मंदिर पर दिए गए, उनके बयान के बाद से आ रहे हैं। हालांकि साध्वी प्रज्ञा का कहना है कि मैं डरूंगी नहीं। देशभक्ति पहले हैं, बाकी सब कुछ बाद में। जानकारी के अनुसार, अयोध्या में राम मंदिर भूमिपूजन से जुड़े बयान को लेकर भोपाल से भारतीय जनता पार्टी की सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर को धमकी मिली है। ये धमकी उन्हें फोन पर दी गई है। सांसद ने पुलिस में इसकी रिपोर्ट दर्ज करा दी है। पुलिस फोन नंबर के जरिए आरोपी की तलाश कर रही है। सांसद प्रज्ञा ठाकुर का कहना है अज्ञात फोन नंबर से कई कॉल आए और उन्हें धमकाया गया। मुझे, पीएम मोदी और अमित शाह को गालियां दी है। राम मंदिर निर्माण को लेकर भी धमकियां दी है। मैंने हनुमान चालीसा के जरिये कोरोना ठीक होने की बात कही थी जिस पर धमकी में कहा हनुमान चालीसा खूब पढ़वाओ। बताया जा रहा है कि फोन करने वाले ने राम मंदिर भूमि पूजन सहित कई मुद्दों का जिक्र करते हुए सांसद से अभद्रता पूर्वक बातचीत की। साथ ही उन्हें धमकी भी दी है। सूत्रों के मुताबिक धमकी देने वाले ने प्रज्ञा सिंह ठाकुर के अलावा भाजपा के कई बड़े नेताओं के लिए भी अभद्र भाषा का प्रयोग किया। साध्वी प्रज्ञा ठाकुर के अनुसार, धमकी देने वाले ने कहा-खूब हनुमान चालीसा करवाओ पर जिंदा नहीं बचोगे।आपको बता दें कि इससे पहले भी कुछ माह पूर्व प्रज्ञा ठाकुर के घर डाक से एक लिफाफा पहुंचा था, जिसमें संदिग्ध सफेद पाउडर था और उन्हें धमकी दी गई थी। बाद में आरोपी महाराष्ट्र से पकड़ा गया था। पुलिस के मुताबिक वो मामला आरोपी के पारिवारिक कलह का था।

मोदी कैबिनेट का फैसला

देश को 34 साल बाद मिली नयी शिक्षा नीति

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आज हुई कैबिनेट की बैठक में नई शिक्षा नीति को मंजूरी दे दी गई। 34 साल बाद एजुकेशन पॉलिसी में बदलाव हुए हैं। सरकार ने कहा है कि 2035 तक हायर एजुकेशन में 50त्न एनरोलमेंट का लक्ष्य तय किया है। नई शिक्षा नीति के तहत दुनियाभर की बड़ी यूनिवर्सिटी देश में अपना कैंपस बना सकेंगी। कैबिनेट ने एचआरडी (ह्यूमन रिसोर्स एंड डेवलपमेंट) मिनिस्ट्री का नाम बदलकर मिनिस्ट्री ऑफ एजुकेशन करने की मंजूरी भी दी है। यह फैसला नई शिक्षा नीति के ड्राफ्ट की सिफारिशों के मुताबिक है।

34 साल पहले यानी 1986 में राष्ट्रीय शिक्षा नीति बनाई गई

थी। करीब तीन दशक से इसमें कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है। इसकी समीक्षा के लिए 1990 और 1993 में कमेटियां भी बनाई गईं थीं। नई शिक्षा नीति के तहत सभी स्कूलों में कक्षा पांचवीं तक के बच्चों को दिए जाने वाले दिशा-निर्देश मातृ भाषा या क्षेत्रीय/स्थानीय भाषा में दिए जाएंगे। हालांकि, यह कक्षा आठवीं या इससे ऊपर तक के छात्रों के लिए भी लागू हो सकता है। नई शिक्षा नीति 2020 के तहत सभी स्तरों पर संस्कृत और सेकंडरी स्कूल लेवल पर विदेशी भाषाएं भी प्रस्तावित की जाएंगी। हालांकि, नीति में यह स्पष्ट है कि कोई भी भाषा किसी बच्चे पर थोपी नहीं जाएगी। पिछले साल जून में इसी मुद्दे पर विवाद खड़ा हो गया था। दक्षिण के राज्यों ने इसे लेकर विरोध दर्ज करवाया था। उनका कहना था कि वहां के स्कूलों में बच्चों को हिंदी पढ़ने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता है। 10+2 के स्ट्रक्चर के बजाए स्कूली बच्चों के लिए करिकुलम का पैटर्न 5+3+3+4 की तर्ज पर लागू किया गया है। इसके तहत 3-6 साल का बच्चा एक ही तरीके से पढ़ाई करेगा ताकि उसकी फाउंडेशन लिटरेसी को बढ़ाया जा सके। इसके बाद मिडिल स्कूल याना 6-8 कक्षा में सब्जेक्ट का इंट्रोडक्शन कराया जाएगा। फिजिक्स के साथ फैशन की पढ़ाई करने की भी इजाजत होगी। कक्षा 6 से ही बच्चों को कोडिंग सिखाई जाएगी। स्कूली शिक्षा में 6-9 वर्ष के जो बच्चे आमतौर पर 1-3 क्लास में होते हैं उनके लिए नेशनल मिशन शुरू किया जाएगा ताकि बच्चे बुनियादी शिक्षा को समझ सकें। नई शिक्षा नीति के तहत जो बच्चे शोध के क्षेत्र में जाना चाहते हैं उनके लिए भी 4 साल का डिग्री प्रोग्राम होगा। वहीं जो लोग नौकरी में जाना चाहते हैं उनके लिए 3 साल का डिग्री प्रोग्राम होगा। रिसर्च में जाने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एमफिल करने की बाध्यता नहीं होगी। वह एक साल के एमए के बाद चार का डिग्री प्रोग्राम में जा सकेंगे।

चिंता की जरूरत नहीं

हमारी सरकार पूरे पांच साल मजबूती से चलेगीः गहलोत

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भाजपा पर राज्य सरकार को अस्थिर करने का षडयंत्र करने का फिर आरोप लगाते हुए कहा है कि केन्द्र सरकार के सहयोग एवं धन बल के सहारे षडयंत्र चल रहा है लेकिन चिंता की जरुरत नहीं हैं और उनकी सरकार पूरे पांच साल मजबूती से चलेगी। गहलोत आज नवनियुक्त प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के पद भार ग्रहण समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार को अस्थिर करने का षडयंत्र चल रहा है। इसमें केन्द्र सरकार सहयोग कर रही है, भाजपा षडयंत्र कर रही और

धनबल के सहारे यह सब किया जा रहा है, लेकिन चिंता की जरुरत नहीं है, सरकार स्थिर है। उन्होंने कहा कि विधानसभा बुलाने की मांग तो विपक्ष करता है लेकिन राजस्थान में तो यह मांग सरकार कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारे में आगे का मुकाबला करने का दमखम है, हम लोग कोई कसर नहीं छोड़ेंगे और पूरे पांच साल मजबूती से सरकार चलेगी। उन्होंने वैश्विक महामारी कोरोना में लोगों का जीवन बचाने की प्राथमिकता बताते हुए कहा कि इसके चलते जहां एक तरफजीवन का संकट है वहीं भाजपा सरकार गिराने मे लगी है। कोरोना महामारी आने वाले समय में और बढ़ सकती है, जीवन को बचाने का सवाल होता है उसे हम निभा रहे है लेकिन भाजपा सरकार गिराने की साजिश कर रही है।

कुडिया घाट के समीप लगी बकरा मंन्डी मे खरीदारो की लगी भीड।

योगी ने कोविड-19 के नियंत्रण के सम्बन्ध में की जा रही कार्यवाही को बेहतर करने के दिए निर्देश

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोविड-19 के नियंत्रण के सम्बन्ध में की जा रही कार्यवाही को और बेहतर करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि इस सम्बन्ध में जनपद स्तर पर जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी की कमेटी गठित करते हुए कार्ययोजना तैयार की जाए। उन्होंने इस कमेटी को पर्याप्त वित्तीय अधिकार भी प्रदान किए जाने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री आज यहां अपने सरकारी आवास पर आहूत एक उच्च स्तरीय बैठक में अनलॉक व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने निर्देश दिए कि आगामी शुक्रवार को वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी जनपद गौतमबुद्धनगर-बुलन्दशहर, हापुड़-गाजियाबाद, मेरठ-मुजफ्फरनगर तथा शामली-सहारनपुर का भ्रमण कर इन जनपदों की स्वास्थ्य सेवाओं की मौके

पर समीक्षा करेंगे। इस अवसर पर अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त तथा अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य ने मुरादाबाद एवं बरेली मण्डल तथा अपर मुख्य सचिव चिकित्सा शिक्षा और अपर मुख्य सचिव ग्राम्य विकास एवं पंचायतीराज ने अलीगढ़ तथा आगरा मण्डल की स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा के निष्कर्षों से मुख्यमंत्री जी को अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने कहा कि डोर-टू-डोर सर्वे के माध्यम से मेडिकल स्क्रीनिंग करने वाली टीम को मास्क, ग्लव्स तथा सेनिटाइजर अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराया जाए। मेडिकल स्क्रीनिंग में कोविड-19 की दृष्टि से संदिग्ध पाए गए लोगों की रैपिड एन्टीजन टेस्ट के माध्यम से टेस्टिंग की जाए। इसके दृष्टिगत प्रदेश में पर्याप्त संख्या में रैपिड एन्टीजन टेस्ट किट की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने राज्य में संचालित विभिन्न एम्बुलेंस सेवाओं को और सक्रिय करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि टेलीमेडिसिन सुविधा को सुदृढ़ किया जाए। इस सम्बन्ध में ई-संजीवनी आनलॉइन ओ0पी0डी0 सेवा का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद घर से ही चिकित्सीय परामर्श प्राप्त कर सकें। उन्होंने प्रवर्तन ड्यूटी करने वाले पुलिस कर्मियों को मास्क, ग्लव्स तथा सेनिटाइजर अवश्य उपलब्ध कराए जाने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड-19 सम्बन्धी विभिन्न गतिविधियों के सुचारु संचालन एवं मॉनीटरिंग के उद्देश्य से प्रत्येक जनपद में इण्टीग्रेटेड कमाण्ड एवं कण्ट्रोल सेण्टर स्थापित कराया गया है। उन्होंने इण्टीग्रेटेड कमाण्ड एण्ड कण्ट्रोल सेण्टर को पूरी सक्रियता के साथ संचालित करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के पैकेज में प्रदेश के एम0एस0एम0ई0 सेक्टर के लिए 15 हजार करोड़ रुपए का ऋण प्राविधानित किया गया है। उन्होंने इस सम्बन्ध में की जा रही कार्यवाही को और तेज किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनपद स्तर पर संचालित जिला सेवायोजन कार्यालय अपना पोर्टल बनाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपदा से होने वाली जनहानि को तकनीक की मदद से रोका जा सकता है।

बाबा बुद्धेश्वर धाम प्रचार प्रसार समिति ने पावनरज मंदिर निर्माण में भेंट किया

लखनऊ, संवाददाता। आज बाबा बुद्धेश्वर धाम प्रचार प्रसार समिति के तत्वावधान में माता जानकी वन गमन मार्ग पर स्थित प्रभु लक्ष्मण जी द्वारा स्थापित बाबा बुद्धेश्वर महादेव मंदिर के परिसर में लक्ष्मण जी द्वारा निर्मित सीताकुंड की पावन रज एवं माता गोमती नदी का पवित्र जल लेकर अयोध्या नगरी में श्री राम मंदिर निर्माण में भेंट किया। समिति के अध्यक्ष अनूप शुक्ला ने बताया कि कोरोना संकट को देखते हुए समिति से मात्र सात लोग समिति महामंत्री डॉ कुलभूषण, मंत्री पूर्णिमा वर्मा, बुद्धेश्वर व्यापार मंडल अध्यक्ष पिंटू गुप्ता श्रृंगार समूह से आदेश विशाल, योगेंद्र जी गए। शिला पूजन बुद्धेश्वर मंदिर के मुख्य पुजारी रामू पुरी जी, भाजपा नेता जितेंद्र सिंह, नगर के मंत्री डॉ0 यू0 एन0 पांडे, राम शंकर राजपूत जी, पार्षद नागेन्द्र सिंह सहित बहुत से भक्त उपस्थित रहे। इसी क्रम में तडियन मंदिर, घँटेश्वर मंदिर,संदोहन देवी मंदिर, कोनेश्वर, हनुमान सेतु पर पावनरज यात्रा का स्वागत किया गया।

पुलिस लाइन लखनऊ की सफाई पर आपत्ति

लखनऊ, संवाददाता। आईपीएस अफसर अमिताभ ठाकुर ने पुलिस लाइन्स, लखनऊ के शौचालय व मेस की खराब स्थिति पर चिंता जताते हुए उनके संबंध में अविलंब कार्यवाही किये जाने की बात कही है,अमिताभ ने डीजीपी यूपी, एपसी अवस्थी तथा पुलिस कमिश्नर लखनऊ सुजीत पाण्डेय को पुलिस लाइन्स के शौचालय एवं मेस के कई गंदगी भरे फोटोग्राफ्स भेज कर कहा है कि उनकी जानकारी के अनुसार पुलिस लाइन में 93 सफाईकर्मी तैनात हैं, जिसमे कई ने अपने स्थान पर 2-3 हजार रुपये देकर 10-15 साल के बच्चे रख लिया है, जिनसे सफाई का काम लिया जा रहा है, उन्होंने यह भी कहा कि सफाईकर्मी लाइन ड्यूटी से गायब बताये गए हैं. साथ ही 500 पुलिसकर्मियों हेतु मात्र 15 शौचालय होने की बात भी कही गयी है. अमिताभ ने कहा कि ये आवश्यक मामले हैं, अतः इन बिन्दुओं पर तत्काल समुचित कार्यवाही करायी जाये।

डिजिटल लाईफसर्टिफिकेट जनरेट कर सकता है पेंशनर्स

लखनऊ, संवाददाता। मुख्य कोषाधिकारी आदर्श कोषागार कलेक्ट्रेट लखनऊ एम0के0 तिवारी ने सूचित किया कि पेंशनरों के जीवित प्रमाण पत्र पर पेंशनर्स को जीवन प्रमाण पत्र देने के लिये सरकार द्वारा सुविधा प्रदान की गयी है। जिससे पेंशनर्स अपने नजदीकी सुविधा केन्द्रों,साइबर कैफे इत्यादि केन्द्रों पर जाकर या जिनके पास बायोमैट्रिक डिवाइस मौजूद है, डिजिटल लाईफसर्टिफिकेट जनरेट कर सकता है। इस प्रक्रिया में पेंशनर्स को कोषागार में आने की आवश्यकता नही है तदुपरांत डिजिटल लाइफसर्टिफिकेट कोषागार को स्वमेव प्राप्त हो जायेगा।

मनोनयन पर त्रिपाठी ने शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया

लखनऊ, संवाददाता। जिला कांग्रेस कमेटी लखनऊ के अध्यक्ष पद पर वरिष्ठ नेता वेद प्रकाश त्रिपाठी के मनोनयन पर श्री त्रिपाठी ने कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू जी का आभार व्यक्त किया है।जिला अध्यक्ष वेद प्रकाश त्रिपाठी ने जारी बयान में कहा है कि कांग्रेस नेतृत्व द्वारा उन पर किये गये विश्वास पर वह पूरी तरह खरा उतरने की कोशिश करेंगे और संगठन की मजबूती के लिए पूरी जी जान से मेहनत करेंगे। श्री त्रिपाठी के मनोनयन पर प्रदेश कांग्रेस के सचिव एवं प्रभारी उ0प्र0 रमेश कुमार शुक्ल, निवर्तमान अध्यक्ष गौरव चौधरी, शहर अध्यक्ष मुकेश सिंह चौहान, श्री दिलप्रीत सिंह डीपी, निर्वतमान उपाध्यक्ष एवं प्रवक्ता दीपेन्द्र मिश्रा, विकास श्रीवास्तव, प्रदीप सिंह राठौर, विशाल राजपूत, सिकन्दर अली, आनन्द प्रताप सिंह, अभिषेक मिश्रा आदि वरिष्ठ नेताओं ने कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी जी एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री अजय कुमार लल्लू जी का आभार व्यक्त किया है।

इंग्लैण्ड एवं आस्ट्रेलिया के छः विश्वविद्यालयों में सी.एम.एस. छात्र का चयन

लखनऊ, संवाददाता। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, गोमती नगर (द्वितीय कैम्पस) के मेधावी छात्र वंश बतास ने उच्च शिक्षा हेतु इंग्लैण्ड एवं आस्ट्रेलिया के छः विश्वविद्यालयों में चयनित होकर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। इस प्रतिभाशाली छात्र को इंग्लैण्ड की यूनिवर्सिटी ऑफ नॉटिंघम, क्वीन मैरी यूनिवर्सिटी, यूनिवर्सिटी ऑफ साउथेम्प्टन, क्वीन्स यूनिवर्सिटी बेलफास्ट, यूनिवर्सिटी ऑफसरे एवं आस्ट्रेलिया की आर.एम.आई.टी. यूनिवर्सिटी द्वारा उच्चशिक्षा हेतु आमन्त्रित किया गया है। वंश ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा एवं शैक्षणिक उत्कृष्टता के दम पर यह उपलब्धि अर्जित की है एवं अपनी सफलता का श्रेय अपने शिक्षकों व सी.एम.एस. के वातावरण को दिया है। सी.एम.एस. के मुख्य जन-सम्पर्क अधिकारी हरि ओम शर्मा ने बताया कि इस वर्ष अभी तक सी.एम.एस. के 87 छात्रों ने अमेरिका, इंग्लैण्ड, कैनडा, आस्ट्रेलिया, जापान, सिंगापुर, जर्मनी आदि विभिन्न देशों के ख्यातिप्राप्त विश्वविद्यालयों में चयनित होकर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है, जिनमें से अधिकतर को स्कॉलरशिप प्राप्त हुई है। श्री शर्मा ने आगे कहा कि सी.एम.एस. छात्रों के दृष्टिकोण व्यापक बनाने व उनकी प्रतिभा को प्रोत्साहित करने हेतु सदैव प्रयासरत है और इसी कड़ी में छात्रों को भारत में एवं विदेशों में उच्चशिक्षा प्राप्त करने का अवसर प्रदान कर रहा है। सी.एम.एस. प्रदेश में एकमात्र एस.ए.टी. (सैट) एवं एडवान्स प्लेसमेन्ट (ए.पी.) टेस्ट सेन्टर है जो उत्तर प्रदेश एवं आसपास के अन्य राज्यों के छात्रों को विश्व के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में स्कॉलरशिप के साथ उच्च शिक्षा प्राप्त करने में मदद कर रहा है।

भारी बारिश से उमस और गर्मी कम

लखनऊ, संवाददाता। पिछले चौबीस घंटे में बाराबंकी, रायबरेली, कतरनियाघाट, बलिया,फतेहपुर और हमीरपुर में पांच सेंटीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई है। राजधानी लखनऊ में भी कल दोपहर से रुक-रुक कर बरसात हो हो रही है, जिससे उमस और गर्मी कम हो गई है और मोसम सुहावना हो गया है। इटावा में सबसे अधिक 38 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया है। मुरादाबाद, लखनऊ और कानपुर में रात के तापमान में गिरावट आई है। मौसम विभाग ने बुधवार को बताया कि सबसे अधिक 18 सेंटीमीटर बारिश एल्गिन ब्रिज (बाराबंकी) में दर्ज की गई। सिरौली गौसपुर तहसील (बाराबंकी), रायबरेली एवं रामनगर (बाराबंकी) में ग्यारह-ग्यारह सेंटीमीटर, राठ (हमीरपुर) में दस, कतर्नियाघाट (बहराइच), फतेहपुर तहसील (बाराबंकी जिला), बलिया, सिधौली (सीतापुर), बिन्दकी (फतेहपुर) में सात-सात तथा हमीरपुर और कासगंज में पांच-पांच सेंटीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई।

पति की मौत के एक हफ्ते बाद पत्नी ने बच्चे की हत्या कर खुद को लगा ली फांसी

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी के हसनगंज थाना क्षेत्र स्थित अवध वाटिका के गेट नम्बर, 2 के पास रहने वाली 48 वर्षीय अजरा परवीन ने अपने घर मे अपने 5 साल के बेटे मोहम्मद जैन की हत्या कर खुद फांसी के फंदे पर झूल गई। जिसकी जानकारी लगते ही इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना पाते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने महिला व बच्चे का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल मौके पर से पुलिस को कोई भी सुसाइड नोट नहीं मिला है। मिली जानकारी के मुताबिक, हसनगंज अवध वाटिका के गेट नम्बर दृ 2 की रहने वाली अजरा परवीन के पति राकेश कुमार सिन्नी की एक हफ्ता पहले ही मौत हुई थी। जिसके बाद से ही पत्नी ये सदमा बर्दास्त नहीं कर सकी और डिप्रेशन में रहने लगी थी। जिसके बाद ही मंगलवार की देर रात अपने कमरे में पहले बच्चे की हत्या कर दी फिर खुद फांसी के फंदे पर झूल गई। वहीं सूत्रों की मानें तो पति की मौत के बाद पत्नी डिप्रेशन में रहने के साथ ही आर्थिक तंगी से भी परेशान थी।

वैश्विक महामारी से सुरक्षा के लिए निरंतर प्रयत्नशील उार रेलवे लखनऊ

लखनऊ, संवाददाता। कोविड 19 के निरंतर बढ़ते संक्रमण और प्रतिदिन इस महामारी द्वारा ग्रसित जनमानस की बढ़ती हुई संख्या को देखते हुए मंडल प्रशासन इस वायरस से अपने समस्त रेलकर्मियों एवं उनके परिवारों की सुरक्षा तथा बचाव हेतु निरंतर प्रयासरत है एवं इसी क्रम में चिकित्सा विभाग के सहयोग से सम्पूर्ण मंडल पर कोविड-19 की जांच हेतु वृहद् स्तर पर एक नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कार्यक्रम को संचालित किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत मंडल पर स्थित मंडलीय चिकित्सालय ,स्वास्थ्य यूनिटों द्वारा एक सुनियोजित एवं क्रमबद्ध रूपरेखा को निर्धारित करते हुए मंडलीय कार्यालय में स्थित विभिन्न विभागों सहित मंडल के अन्य स्थानों ,कार्यालयों ,यूनिटों तथा रेल से सम्बद्ध समस्त स्थानों पर कार्य करने वाले रेलकर्मियों की नियमित स्वास्थ्य के परीक्षण का प्रावधान किया गया है ,ताकि किसी भी संक्रमित कर्मचारी की तत्काल पहचान करते हुए उसका यथोचित उपचार कराया जा सके साथ ही उसके साथ कार्य करने वाले अन्य कर्मियों एवं उनके परिजनों को इस संक्रमण से सुरक्षित रखा जा सके, इस चिकित्सकीय परीक्षण प्रक्रिया के अंतर्गत मंडल का चिकित्सा दल एवं अन्य पैरामेडिकल स्टाफ द्वारा मंडल के विभिन्न स्थानों पर कर्मचारियों के स्वास्थ्य का परीक्षण किया जा रहा है तथा निरंतरता से इसको नियमित तौर पर संचालित करने का प्रावधान किया गया है इसी स्वास्थ्य परीक्षण के तहत आज दिनांक 29.07.20 को मंडलीय कार्यालय स्थित सभागार में लगभग 100 अधिकारियों एवं कर्मचारियों का ब्व्टप्ब्19 परीक्षण करने के साथ ही कर्मचारियों के मध्य उत्तर रेलवे महिला कल्याण संगठन ,लखनऊ द्वारा निर्मित मास्कों को वितरित करते हुए कर्मियों को इस महामारी से सुरक्षा एवं बचाव हेतु संवाद स्थापित कर आवश्यक सूचनाओं से भी अवगत कराया गया।

मोदी-योगी की भूमि पूजन में भागीदारी संविधान की शपथ का उल्लंघन

लखनऊ, संवाददाता। मोदी-योगी की भूमि पूजन में भागीदारी संविधान की शपथ का उल्लंघन, संविधान की रक्षा सुनिश्चित करें राष्ट्रपति एवं राज्यपाल महोदय तथा सरकारी धन के दुरूपयोग पर लगे रोक- यह बात आज एस.आर.दारापुरी, राष्ट्रीय प्रवक्ता, आल इंडिया पीपुल्स फ्रंट ने प्रेस को जारी ब्यान में कही है. उन्होंने कहा है कि धर्मनिरपेक्षता संविधान का मूल आधार है. ऐसे में अगर मोदी और योगी बतौर प्रधान मंत्री एवं मुख्य मंत्री मंदिर के भूमि पूजन में शामिल होते हैं तो यह उनके द्वारा पद सँभालते वक्त ली गयी संवैधानिक शपथ का उल्लंघन होगा. यह उल्लेखनीय है कि आजादी के बाद जब डा. राजेन्द्र प्रसाद सोमनाथ मंदिर में शिवलिंग की स्थापना करने के लिए चले गए थे तो नेहरु बहुत नाराज हुए थे. अतः महामहिम राष्ट्रपति एवं राज्यपाल महोदय से जनता की तरफ से अनुरोध है कि वे संविधान की रक्षा सुनिश्चित करें,इतना ही नहीं जब पटेल ने सरकारी पैसे से सोमनाथ मंदिर के जीर्णोद्धार की घोषणा की थी तो नेहरू बहुत नाराज हुए थे और उन्होंने कोई भी सरकारी पैसा देने से मना कर दिया था. इस पर पटेल ने कृषि मंत्री के.एम.मुंशी से मिल कर चीनी गन्ना मिल मालिकों को चीनी का दाम बढ़ाने की अनुमति दे कर उसमें से आधा पैसा लेकर सोमनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार करवाया था. इसका पता चलने पर नेहरु बहुत नाराज हुए थे. इसके विपरीत जब आज हम देखते हैं तो मोदी सरकार मंदिर के नाम पर 500 करोड़ रुव और योगी सरकार 450 करोड़ रुव दे रही है खास करके जब देश में हर रोज कोरोना के सैंकड़ों मरीज उचित स्वास्थ्य सुविधा एवं इलाज के बिना मर रहे हैं,क्या एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र की सरकार द्वारा एक मंदिर के लिए सरकारी धन दिया जाना जनता के पैसे का दुरूपयोग नहीं है. क्या यह उचित नहीं है कि मंदिर का निर्माण श्रधालुयों के दान से ही किया जाना चाहि,दारापुरी ने आगे कहा है कि माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद के मुख्य न्यायाधीश ने 5 अगस्त को सरकार द्वारा राम मंदिर शिलान्यास कार्यक्रम के संबंध में कहा है कि वहां कोरोना महामारी के भारत सरकार के दिशा निर्देशों के अनुरूप ही कार्यक्रम किया जाए. लेकिन इसकी खुलेआम अवहेलना करते हुए आरएसएस के नेताओं और भारतीय जनता पार्टी की सरकार द्वारा भव्य कार्यक्रम करने की घोषणाएं लगातार की जा रही हैं. यही नहीं इस कार्यक्रम में पूरे प्रदेश के पुलिस व प्रशासन के आला अधिकारियों को अभी से ही लगा दिया गया है. वहां मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री द्वारा दौरा किया जा रहा है और सरकारी मशीनरी एवं जनता के धन का दुरुपयोग किया जा रहा है।

स्कूल फीस को लेकर अभिभवको में असमंजस की स्थीतिःहादी रजा खुर्रम

लखनऊ, संवाददाता। अधिवक्ता हादी रजा 'खुर्रम' के पाटानाला स्थीत चैम्बर में एक मीटिग का आयोजन राष्ट्रीय अल्पसंख्यक अधिवकता परिषद की ओर से किया गया। जिसमें लाकडाउन के दौरान स्कूलों की फीस एवं आनलाईन पढ़ाई को लेकर अभिभवको में असमंजस की स्थीति को लेकर चर्चा हुई। इस दौरान सोशल डिस्टेंसिंग का पूरा ध्यान रखा गया। साथ ही सभी अभिभवक एवं अधिवक्ता मास्क और दास्तानो में नजर आये। राष्ट्रीय अल्पसंख्यक अधिवक्ता परिषद के प्रदेश संयुक्त सचिव की अध्यक्षता में सम्पन हुई। इस मीटिग में अधिवक्ता हादी रजा 'खुर्रम' ने कहा कि लाकडाउन के दौरान प्राइवेट स्कूलों की फीस को लेकर अभिभवको में असमंजस की स्थीति बनी हुई है। लाकडाउन के बाद से प्राइवेट स्कूल वाले फीस को लेकर ठीक-ठीक कुछ भी बताते नही है और न ही सरकार की तरफ से अभी तक कोई गाइड लाईन जारी हुई है। जिससे अभिभवको को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। खास तौर पर ऐसे अभिभवक जो वकालत के पेशे से या व्यापारी वर्ग से ताल्लुक रखते है उनकी स्थीति बहुत ही दयनीय है। जबकि गुजरात हाईकोर्ट ने इस बात को सख्ती से लागू कर दिया है कि जब तक स्कूल बंद है तब तक कोई फीस नही ली जाएगी। साथ ही ऑनलाईन क्लासेस पर भी रोक लगा दी है। उत्तर प्रदेश की सरकार से अभिभवक अभी मात्र आस ही लगाये बैठे है। इस दौरान अधिवक्ता संतोष शर्मा 'बागी' ने कहा कि अगर देखा जाये तो पाँचवे क्लास तक के बच्चों कि ऑनलाईन पढ़ाई हो ही नही सकती। जबकि प्राइवेट स्कूल ऑनलाईन क्लासेस के नाम पर मोटी फीस वसूल रहे है और फीस रसीद भी नही दे रहें है। ऐसे अभिभवको जिनका व्यापार लाकडाउन के चलते बर्बाद होने की स्थीति में है या हो चुका है। उनका उत्तर प्रदेश की सरकार से सवाल है कि वह अपने परिवार के भरन पोषण का इंतेजाम करे या स्कूलों की फीस भरे। राष्ट्रीय अल्पसंख्यक अधिवक्ता परिषद के प्रदेश संयुक्त सचिव हादी रजा 'खुर्रम' ने सरकार से अपील की कि वह अभिभवको की स्थीति को ध्यान में रखते हुए कुछ ठोस कदम उठाते हुए प्राइवेट स्कूल द्वारा ऑनलाईन क्लासेस के नाम पर जो मोटी फीस वसूली जा रही है उस पर लगाम लगाए। इस मीटिग में यह तय हुआ कि त्यौहार के बाद इस संबंध में प्रदेश के डिप्टी सी0एम0 दिनेश शर्मा को एक ज्ञापन दिया जायेगा। इस अवसर पर अधिवक्ता मनीष वर्मा, राजाबजार पार्षद पति अबरारूल हसन 'अबरार', अधिवक्ता शहाब सहित कुछ अभिभवक भी मौजूद थे। मगर इस पूरी मीटिग के दौरान जो बात सबसे अच्छी थी वह यह कि सभी अभिभवक एवं अधिवक्ता मास्क और दास्तानो में नजर आये और सोशल डिस्टेंसिंग का पूरा ध्यान रखा गया। इस दौरान सेनेटाईजर का इंतेजाम राजाबजार पार्षद पति अबरार की तरफ से किया गया था।

बच्चों की स्कूल फीस माफहो, शिक्षकों और कर्मचारियों को आर्थिक सहायता दे सरकारः अजय कुमार लल्लू

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर कोरोना महामारी में प्राइवेट स्कूलों में बच्चों की फीस माफी और शिक्षकों व अन्य कर्मचारियों के लिए आर्थिक सहायता की मांग की है। पत्र में अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने लिखा है कि विगत 4 माह से वैश्विक महामारी कोविड-19 के चलते रोजगार में प्रतिकूल प्रभाव पड़ने के कारण लाखों मध्यम आय वर्ग के अभिभावकों को अपने बच्चों की फीस जमा कराने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। प्रदेश में संचालित यू.पी. बोर्ड, सी.बी.एस.ई. बोर्ड, आई.सी.एस.ई बोर्ड एवं अन्य बोर्डो के छात्रों की विगत 4 माह की फीस माफकी जाये। इन शिक्षण संस्थानों में कार्यरत मान्यता, गैर मान्यता प्राप्त शिक्षकों एवं कर्मचारियों को सरकार से कम से कम 8 हजार रूपये प्रतिमाह सहायता प्रदान की जाये। नए साल की पाठ्य पुस्तकों में बदलाव न किया जाये। बच्चों की ड्रेस बार-बार न बदली जाये।

शिवराज चौहान के संपर्क में आये मंत्रियों को क्वारंटीन करायें योगीः कांग्रेस

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में विधान परिषद सदस्य और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दीपक सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से अपील की है कि वह पिछले दिनो मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के संपर्क में आये अपने मंत्रियों को क्वारंटीन कराये ताकि आम जनता को कोरोना संक्रमण से बचाया जा सके।दीपक सिंह ने बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लिखे पत्र में कहा कि पिछले सप्ताह मध्य प्रदेश के राज्यपाल लालजी टंडन के अंतिम संस्कार में भाग लेने के लिये वहां के मुख्यमंत्री लखनऊ आये थे जिनसे यूपी के कई मंत्रियों और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं ने मुलाकात की थी। चूंकि शिवराज चौहान कोरोना संक्रमित पाये गये हैं, इसलिये मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को चाहिये कि वे अपने मंत्रिमंडल के सहयोगियों को क्वारंटीन करने को कहें। उन्होने कहा कि श्री चौहान के संपर्क में आये मंत्री तमाम लोगों से मिल रहे है।

एलडीए ने अवैध निर्माणों को ध्वस्त किया

लखनऊ, संवाददाता। विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष शिवाकान्त द्विवेदी द्वारा लखनऊ शहर में हो रहे अवैध निर्माणों के विरूद्ध कार्यवाही करने हेतु दिये गये आदेशों पर असर दिखने लगा है। उपाध्यक्ष महोदय के आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करने के उद्वेश्य से आज दिनांक 29.07.2020 को निम्नानुसार कार्यवाही की गयी, कुसुम गुप्ता पत्नी उमंग गुप्ता द्वारा भूखण्ड संख्या बी-337ए, सेक्टर-बी, महानगर, लखनऊ पर लगभग 979.51 वर्गमीटर क्षेत्रफल में स्वीकृत मानचित्र परमिट संख्या 20180713212259187 दिनांक 17.01.2020 के विरूद्ध सेटबैक्स में आंशिक विचलन करते हुए बेसमेण्ट का निर्माण किये जाने पर उत्तर प्रदेश नगर योजना एवं विकास अधिनियम 1973 की धारा 27(1), 28(1) की कार्यवाही करते हुए वाद संख्या 237/2020 योजित किया गया था। अधिनियम की धारा 28(1) के अन्तर्गत अवैध निर्माण को रोके जाने हेतु थानाध्यक्ष, महानगर को पत्र प्रेषित किया तथा ल.वि.प्रा. स्टाफ द्वारा भी कई बार अवैध निर्माण रोके जाने हेतु प्रयास किया गया।

एक्सप्रेस-वे पर 'ए' श्रेणी की बसें ही की जायेगी संचालित

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम ने लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे मार्ग पर होने वाली दुर्घटनाओं के प्रभावी रोकथाम के लिए परिवहन निगम के प्रबन्ध निदेशक डा0 राज शेखर ने परिवहन निगम मुख्यालय से नवीन एस0ओ0पी0 जारी करते हुए बताया कि एक्सप्रेस-वे पर निगम द्वारा 'ए' श्रेणी की बसें ही इस मार्ग पर संचालित की जायेगी। एक्सप्रेस-वे मार्ग पर संचालित बसों में ऐसे चालकों की ड्यूटी लगायी जायेगी जिनका विगत 05 वर्षो का संचालन एवं सुरक्षित संचालन का रिकार्ड अच्छा रहा हो उक्त के अतिरिक्त उनका व्यवहार अनुशासित एवं यात्रियों के प्रति मधुर रहा हो। एक्सप्रेस-वे पर संचालित बसों में उन परिचालकों की तैनाती की जायेगी जो अनुशासित एवं यात्रियों से मधुर व्यवहार के साथ-साथ संचालन अवधि में सजग रहते हों। एक्सप्रेस-वे पर संचालित बसों की ओवर स्पीडिंग एवं दुर्घटनाओं का मासिक डेटा यूपीडा एवं जमुना एक्सप्रेस-वे प्राधिकरण से प्राप्त कर अध्ययन उपरान्त आवश्यक कार्यवाही की जायेगी। यूपीडा द्वारा दिये गये सुझाव पर लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पर संचालित सभी बसें लखनऊ से प्रथम टोल प्लाजा के उपरान्त मार्ग पर सड़क के किनारे स्थित कनविनियन सेन्टर पर प्रत्येक 200 किमी0 के उपरान्त 10 मिनट के लिये यात्रियों को प्रसाधन एवं अल्पहार हेतु 10 मिनट का ठहराव सुनिश्चित किया जायेगा। लखनऊ-आगरा एवं आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर राउंड द क्लॉक फ्लाइंग स्क्वायड की तैनाती की जायेगी जिनके द्वारा निगरानी की व्यवस्था सुनिश्चित की जायेगी। लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पर उ0प्र0 राज्य सड़क परिवहन निगम की संचालित बसों से विगत तीन वर्षो में घटित दुर्घटनाओं के स्थलीय निरीक्षण के उपरान्त कारणों की सूचना का अध्ययन एवं फील्ड के अधिकारिओं से परामर्श उपरान्त विशेषज्ञों से राय प्राप्त कर मुख्यालय स्तर पर दुर्घटनाओं के निगरानी हेतु प्रधान प्रबन्धक स्तर के अधिकारी की अध्यक्षता में दुर्घटना।

जीपीओ के समीप प्रदेश मे महिलाओ पर हो रहे अत्याचार के विरोध मे चूडी लेकर विधानसभा की जाती महिलाकाग्रेस की पदाधिकारियो को गिरफ्तार करती पुलिस व प्रदर्शन करती काग्रेस महिला मोर्चा की सदस्याए।

साध्वी निरंजन ज्योति ने राम मंदिर निर्माण पर दिया बड़ा बयान

पांच अगस्त देश में रामराज्य के पुनरागमन का संदेशः साध्वी निरंजन ज्योति

फतेहपुर ! जिले से सांसद निरंजन अखाड़ा की महामंडलेश्वर एवं केन्द्र सरकार में ग्रामीण विकास राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने बुधवार को कहा कि अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि में मंदिर निर्माण की तिथि 5 अगस्त देश में राम राज्य के आगमन का प्रारंभ है, उन्होंने कहा कि करोड़ों-करोड़ हिंदुओं के आराध्य भगवान राम की जन्मभूमि में भव्य मंदिर के निर्माण की प्रतीक्षा पूरे विश्व में हिंदू भाइयों को थी। उन्होंने कहा कि 492 वर्ष के लम्बे संघर्ष जिसमें राम जन्म भूमि की मुक्ति के लिये लाखों भक्तों के बलिदान से लेकर मंदिर निर्माण तक के संकल्प का प्रतिफल 5 अगस्त को मिलने जा रहा है। साध्वी निरंजन ज्योति अयोध्या से श्रीराम दर्शन और पांच अगस्त की तैयारियों के मद्देनजर अपने प्रवास से वापस लौट रही थी। राम जन्मभूमि आंदोलन में अपने ओजस्वी प्रवचनों के कारण चर्चित रहीं साध्वी ने कहा कि भगवान राम केवल हिंदुओं के ही नहीं बल्कि पूरे विश्व की समस्त मानव जाति के लिए एक आदर्श समाज की स्थापना का आधार हैं ।संपूर्ण विश्व में प्रेम ,बंधुत्व, पराक्रम और समाज के सभी रूपों में आदर्श प्रस्तुत करते हुए उन मूल्यों को समस्त मानव जाति के लिए अनुकरणीय प्रस्तुत करने वाले भगवान श्री राम करोड़ों लोगों की आस्था के केंद्र हैं ।भारतीय संस्कृति एवं साहित्य वांग्मय में भगवान राम के बिना कोई कल्पना ही व्यर्थ है। महामंडलेश्वर निरंजन ज्योति ने कहा कि मंदिर निर्माण का शिलान्यास उन लोगों के सवालों का सम्पूर्ण जवाब है जो व्यंग मारते रहे हैं कि तारीख नहीं बतायेगें ।वो अब तारीख भी बता दिया है और भव्य मंदिर निर्माण भी होने जा रहा है।उन्होंने कहा कि राम मंदिर भाजपा के लिये राजनीति का नहीं राष्ट्र के सम्मान और समाज की आस्था का मामला रहा है।कहा कि अगस्त महीना क्रान्ति का महीना है, अगस्त क्रान्ति से लेकर पिछले वर्ष 5 अगस्त को ही कश्मीर से धारा 370 की समाप्ति और अब 5अगस्त को श्री राम मंदिर निर्माण का शुभारंभ युगांतरकारी घटना सिद्ध है जिसके साथ ही देश में रामराज्य के पुनरागमन का संदेश स्पष्ट है।

आज 27 और लोगों की आई कोरोना रिपोर्ट धनात्मक

फतेहपुर, । जनपद में आज फिर कोरोना के संक्रमितो की संख्या में इजाफा होने से इस वैश्विक महामारी ने जनपद में अपना शिकंजा और कस लिया है। आज 27 और कोरोना संक्रमित मिलने से जहाँ लोगों में दहशत बढ़ी है। डीएम संजीव सिंह द्वारा देर शाम जारी विज्ञप्ति में आज पॉजीटिव पाए गए 27 लोगों में कई फतेहपुर शहर क्षेत्र के हैं। इस तरह जनपद में कुल ऐक्टिव केस बढ़कर 131 हो गये हैं जबकि कुल संक्रमितो का आँकड़ा बढ़कर 415 हो गया हैं। राहत की बात यह है कि इस दौरान 276 मरीज ठीक होकर घर जा चुके हैं। पिछले 24 घण्टे में भी कई सक्रमित स्वस्थ हुये हैं। गौरतलब है कि जनपद में अब तक 8 संक्रमितो की मौत हो चुकी हैं।

नहीं रहे आजाद नेता, पत्रकारों व राजनीतिज्ञों ने जताया शोक

फतेहपुर, । जनपद के जाने-माने वामपंथी नेता एवं पत्रकार सत्य प्रकाश आजाद आजाद नेता का आज सुबह उनके चित्रांश नगर, फतेहपुर स्थित आवास में निधन हो गया। लगभग अस्सी वर्षीय आजाद नेता पिछले कई दिनो से बीमार चल रहें थे। फतेहपुर प्रेस क्लब के अध्यक्ष नागेंद्र प्रताप सिंह ने वरिष्ठ पत्रकार के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए कहा कि यह एक अपूर्णनीय क्षति है। वहीं फतेहपुर प्रेस क्लब के महासचिव प्रमोद श्रीवास्तव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष महेश सिंह, संरक्षक मण्डल के सदस्य मनोज मिश्र व दादा श्रवण श्रीवास्तव, विशेष आमंत्रित सदस्य स्वामी श्याम लाल कंचन व खलीक अहमद जाफरी, जिला पत्रकार संघ के अध्यक्ष शैलेंद्र शरन सिम्पल, सम्पादक डिटेक्टिव तरुण शुक्ल, एआईसीसी के सदस्य विभाकर शास्त्री, प्रसपा अध्यक्ष जगनायक सिंह यादव, समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष विपिन सिंह यादव, वरिष्ठ वामपंथी नेता नरोत्तम सिंह, बसपा नेता मो0 असलम उर्फशेर खा, भाजपा नेता डा0 ज्ञानेंद्र सचान, सोसाइटी आफचिल्ड्रेन पब्लिक के प्रबंधक सुनील श्रीवास्तव समेत विभिन्न पत्रकारों एवं नेताओ ने दुःख व्यक्त किया है।

अवैध निर्माणों को ध्वस्त/सील किया गया

लखनऊ। विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष श्री शिवाकान्त द्विवेदी द्वारा लखनऊ शहर में हो रहे अवैध निर्माणों के विरूद्ध कार्यवाही करने हेतु दिये गये आदेशों पर असर दिखने लगा है। उपाध्यक्ष महोदय के आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करने के उद्वेश्य से आज दिनांक 29.07.2020 को निम्नानुसार कार्यवाही की गयी। श्रीमती कुसुम गुप्ता पत्नी श्री उमंग गुप्ता द्वारा भूखण्ड संख्या बी-337ए, सेक्टर-बी, महानगर, लखनऊ पर लगभग 979.51 वर्गमीटर क्षेत्रफल में स्वीकृत मानचित्र परमिट संख्या 20180713212259187 दिनांक 17.01.2020 के विरूद्ध सेटबैक्स में आंशिक विचलन करते हुए बेसमेण्ट का निर्माण किये जाने पर उत्तर प्रदेश नगर योजना एवं विकास अधिनियम 1973 की धारा 27(1), 28(1) की कार्यवाही करते हुए वाद संख्या 237/2020 योजित किया गया था। अधिनियम की धारा 28(1) के अन्तर्गत अवैध निर्माण को रोके जाने हेतु थानाध्यक्ष, महानगर को पत्र प्रेषित किया तथा ल.वि.प्रा. स्टाफ द्वारा भी कई बार अवैध निर्माण रोके जाने हेतु प्रयास किया गया, किन्तु वादी द्वारा निर्माण कार्य बन्द नहीं किया गया। तत्पश्चात विहित प्राधिकारी द्वारा दिनांक 17.07.2020 को सील किये जाने के आदेश दिये जाने पर सील किया गया। इसके अतिरिक्त श्री शिवम सिंह द्वारा बेहमनपुरवा (विभूति खण्ड), गोमतीनगर में अवैध रूप से निर्मित भवन को आज पुनः सील किया गया। उपरोक्त कार्यवाही श्री के.के. बंसला के नेतृत्व में श्री नरेन्द्र सिंह, व श्री अमरीश शर्मा अवर अभियन्ताओं की उपस्थिति में तथा प्राधिकरण पुलिस बल व क्षेत्रीय थाना पुलिस बल के सहयोग से किया गया।

कस्बे के मुख्य मार्गो का किया गया दवा का छिड़काव

जहानाबाद, फतेहपुर ! आदर्श नगर पंचायत कोडा जहानाबाद के द्वारा कस्बे के मुख्य मार्गों का सरकारी भवनों को सेनेटाइज करवाया गया तथा लोगों को जागरूक किया गया और उन्हें बताया गया कि मास्क व उचित दूरी का पालन करें कोविड-19 कोरोनावायरस के बढ़ते प्रकोप को देख कर सरकार द्वारा लोगों को विभिन्न प्रकार से जागरूक किया जा रहा है उसी के तहत आदर्श नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी कुलवंत सिंह ने बताया कि कस्बे के विभिन्न मार्गो व सरकारी भवनों को सेनेटराइज करवाया जा रहा है तथा लोगों को जागरूक किया जा रहा है

उपले निकालते समय महिला को सर्प ने डसा

बिंदकी (फतेहपुर), । घर में कोठरी के अंदर उपले निकालते समय अचानक महिला को सर्प ने डस लिया। महिला की हालत बिगड़ी तो परिजनों ने आनन-फानन में निजी वाहन से लाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। जानकारी के अनुसार ललौली थाना क्षेत्र की हिम्मतपुर गांव में मंजू सिंह उम्र 25 वर्ष पत्नी रानू सिंह अपने घर के अंदर कोठरी से उपले निकाल रही थी तभी अपनों के बीच में बैठे सर्प ने महिला को डस लिया। महिला ने अपने परिजनों से इस बात की जानकारी दी तो परिजनों में हड़कंप मच गया। परिजनों ने निजी वाहन से लाकर सीएचसी में भर्ती कराया हालांकि काफी लेट चले उपचार के बाद महिला की हालत में सुधार हुआ तो परिजन वापस घर ले गए।

देशी बमों के साथ शातिर अरेस्ट

असोथर (फतेहपुर), । पुलिस अधीक्षक प्रशांत वर्मा के दिशा-निर्देशन में टाप-10 अपराधियों के खिलाफचलाये जा रहे अभियान के तहत असोथर पुलिस ने ग्राम छीतमपुर नहर पटरी पक्की सड़क के समीप से एक शातिर अपराधी को दो देशी बमों के साथ गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गये अभियुक्त के खिलाफअसोथर थाने में कई मामले दर्ज हैं। असोथर थानाध्यक्ष आशीष सिंह के दिशा-निर्देशन में उप निरीक्षक कमलाशंकर यादव, हेड कांस्टेबल इन्द्रमणि कुशवाहा व कांस्टेबल महबूब अली क्षेत्र में कानून व्यवस्था चुस्त-दुरूस्त रखने के उद्देश्य से गश्त कर रहे थे। तभी मुखबिर की सूचना पर ग्राम छीतमपुर नहर पटरी पक्की सड़क के समीप दबिश देकर लीला सिंह सिंगरौर पुत्र स्व0 देशराज सिंह सिंगरौर निवासी पटैतापुर मजरे सेमरी थाना असोथर को दो देशी बमों के साथ गिरफ्तार कर लिया। बमों को पानी में डालकर मौके पर निष्क्रिय किया गया।

जर्जर विद्युत तार बदलवाने की मांग

खागा (फतेहपुर), । जिले भर में ही रही लगातार विद्युत विभाग की लापरवाही के कारण हो रही दुर्घटनाओं के खिलाफ आज नगर अध्यक्ष कलीम शेख व जिला उपाध्यक्ष यूथ ब्रिगेड की अगुवाई में उपजिलाधिकारी को ज्ञापन दिया गया। जहां युवा नेता अंशू यादव ने कहा कि जल्द से जल्द विद्युत विभाग के अधिकारी कार्यवाही करते हुए जर्जर तारों को बदलवाए। जिससे ये दुर्घटनाएं रुक सके और मृतक परिवारों को कम से कम 5 लाख रूपये सहायता की मांग रखी। जिसमे मुख्य रूप से शिव सिंह यादव, प्रभाकर गुप्त, मनोज यादव, अकरम, अल्बख्श सौदागर, राहुल यादव, बबलू तिवारी, अभिषेक, आशीष, अबुजल, समीर आदि मौजूद रहे।

शिक्षक ने आधा सैकड़ा ग्रामीणो को बाटे मास्क

फतेहपुर, । कोरोना वायरस के बड़ते प्रभाव के बीच भी लोगो मे जागरुकता लाने के लिये समाज मे कई लोग काम कर रहे है। ऐसे मे ग्रामीण क्षेत्र मे पहले कोरोना को न मानने वाले भी अब सावधानिया बरतने लगे है। शिक्षक सुनील उत्तम ने मलवा विकास खंड के शाहजहांपुर गांव मे आधा सैकड़ा ग्रामीणो को मास्क वितरित किया। लोगो को अब ज्यादा सावधान रहने की बात बताई। उन्होने कहा की लोगो को अब जागरुक रहना चाहिए अनावश्यक अब कही नही घूमना चाहिए।

संचारी रोग नोडल अधिकारी ने जहानाबाद अस्पताल व बेहटा खुर्द गांव का किया निरीक्षण

फतेहपुर ! प्रमुख सचिव खेलकूद एवं ग्रामीण अभियंत्रण विभाग (आरईएस) /संचारी रोग के नोडल अधिकारी कल्पना अवस्थी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, कार्यालय नगर पंचायत कोड़ा जहानाबाद एवं विकास खंड अमौली के ग्राम पंचायत बेहटा खुर्द का निरीक्षण किया, के दौरान नगर पंचायत जहानाबाद के वार्ड-03 अम्बेडकर नगर, वार्ड-01 मियां टोला, वार्ड-09 छोटी बाजार, वार्ड-10 गढ़ी आदि का स्थलीय निरीक्षण किया । जिसमें वार्ड-03 में तालाब के किनारे गंदगी देख साफ सफाई कराया जाय साथ ही निकलने वाले कूड़ा को डंपिंग ग्राउंड में डलवाने के निर्देश ईओ को दिए । कार्यालय के निरीक्षण के दौरान निर्देश दिए कि निष्प्रयोज्य समान के टेन्डर कराकर नीलामी कराई जाए । स्वच्छ भारत मिशन/सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट की पत्रावलियों को देखा । उन्होंने कहा कि गीले कूड़े के निस्तारण हेतु नगर निगम कानपुर के मॉडल को अपनाने को कहा और डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन हेतु 6-बिन रिक्शे के स्थान पर दो भाग युक्त ऊँचे रिक्शा गाड़ी के प्रयोग पर बल दिया । कूड़ा निस्तारण(एमआरएफ) सेंटर के निरीक्षण के दौरान सड़क कच्ची पाए जाने पर पक्की सड़क बनाने के संबंधित को निर्देश दिए । घरों से निकलने वाली सूखी निष्प्रयोज्य सामग्री के एकत्रित करने हेतु नगर क्षेत्र के कबाड़ियों का रजिस्ट्रेशन किया जाए । सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जहानाबाद के निरीक्षण के दौरान कहा कि वार्ड में भर्ती मरीजों की कोविड-19 की जांच की जाए और अन्य रोगों से पीड़ित मरीजों को रोगों के अनुसार स्वास्थ्य सुविधाए मुहैया कराई जाए।

इसके उपरांत प्रमुख सचिव ने ग्राम पंचायत बेहटा खुर्द विकास खंड अमौली का निरीक्षण किया । जिसमें विद्यालय में कोरोना टेस्टिंग किट को भी देखा । पंचायत भवन में वर्षा जल संचयन एवं भूजल रिचार्ज व्यवस्था को देखा जो ठीक पाई गई । जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देश दिए कि ग्राम पंचायत की साफ-सफाई और बेहतर कराई जाए।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सत्य प्रकाश, एसीएमओ डॉ0 जौहरी, खंड विकास अधिकारी पारुल कटियार, ईओ कुलवन्त सिंह, डीपीआरओ अजय आनंद सरोज सहित अनेक अधिकारी उपस्थित रहे।

विद्यालय ने पौधरोपण कर दिया पर्यावरण बचाओ का संदेश

फतेहपुर, । जिले के मलवां क्षेत्र स्थित हंस ग्रीन फील्ड पब्लिक स्कूल में पर्यावरण बचाओ जीवन को खुशहाल बनाओ विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस के अवसर पर विद्यालय प्रांगण में पौध रोपण किया गया। जिसमें स्कूल के समस्त स्टाफद्वारा एक-एक पौधरोपित कर प्रकृति संरक्षण को बचाने की शपथ भी दिलाई गई। वहीं स्कूल की प्रधानाचार्या श्रीमती सरिता सिंह ने कहा कि सभी लोगो को एक एक पौधरोपित करना चाहिए क्योंकि इन्ही पेड़ो से हमे ऑक्सीजन मिलता है, साथ वैश्विक कोरोना महामारी से बचाव के लिये घर रहे बहुत जरूरी होने पर ही घरों से निकलते समय मास्क पहनकर व सैनिटाइजर से हाथ धोते रहे। भीड़-भाड़ वाले जगह पर एक मीटर की दूरी बनाकर रखा, जिससे इस महामारी से बचा जा सकता, इस मौके पर रचना चतुर्वेदी, सौम्या मिश्रा, अमित पाल, कार्तिकेय गुप्ता, शैलजा, मीनल तिवारी, संगीता पांडेय सहित स्टाफमौजूद रहे।

बिकने जा रहा सरकारी खाद्यान्न पकड़ा

फतेहपुर, । किशनपुर थाना के अहमदगंज तिहार गांव का कोटेदार बुधवार को भोर के 4 बजे जा रहा सरकारी खाद्यान्न बेचने पर ग्रामीणों ने पीआरवी टीम बुला कर पकड़ा दिया। गाड़ी को थाना परिसर में खड़ी करवाने के बावजूद उस पर अब तक मुकदमा दर्ज नहीं हुआ है। इस तरह गरीबों के हक पर कोटेदार खुलेआम डाका डाल रहे हैं।

दिव्यांग भाजपाईयों ने किया वृहद वृक्षारोपण

फतेहपुर, । भाजपा दिव्यांग प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष राहुल सिंह के नेतृत्व में हरियाली विकास मिशन के अंतर्गत जमालपुर में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें फलदार पौधों को रोपित किया गया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष ने कहा ज्यादा से ज्यादा पौधरोपण करने से अच्छा है कि जितने भी पौधे लगाए जाएं उनको लगाने के बाद उनकी देखरेख की जाए और उनकी रक्षा की जाए ताकि वह पौधे सही तरीके से उग सके और पर्यावरण की रक्षा भी हो सके। इस दौरान आमों में दशहरी, कलमी, आम्रपाली, बारहमासी नींबू, अमरुद, कटहल जैसे तमाम पौधों को लगाया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन महिला मोर्चा जिला उपाध्यक्ष भाजपा सुनिधि तिवारी ने किया। कार्यक्रम में भावना श्रीवास्तव, हरियाली विकास मिशन के प्रेरक डॉ0 कमलेंद्र सिंह भदौरिया, भाजपा नेता गंगा प्रसाद साहू, शिव कांति सिंह, नीरज दुबे, डॉ0 आरडी सिंह भदौरिया आदि मौजूद रहे।

जेठ समेंत दबंगों की शिकायत कप्तान से

फतेहपुर, । चांदपुर थाना के ग्राम बाबई निवासी सुनीता देवी पत्नी कल्लू ने पुलिस अधीक्षक को एक शिकायती पत्र देते हुए बताया कि गांव के ही सुरेंद्र, अशोक, राजेंश पुत्र रामकुमार से घर के विवाद के कारण रंजिश मानते हैं। इसी रंजिश को लेकर आज सुबह 6 बजे के करीब उसके घर आकर गाली गलौज व मारपीट करने लगे। उक्त तीनों ने जेठ धनीराम के साथ मिलकर लाठी डंडा लेकर घर में घुसकर तोड़फोड़ किया और परिवार के लोगों के कपड़े फाड़ दिए और भद्दी-भद्दी गालियां दिया। जब हमें बचाने हमारी देवरानी पूनम देवी व भतीजी कोमल आई तो उन लोगों ने उनके भी कपड़े फाड़ दिए व डंडे लाठियों से मारपीट करने लगे। जब हम लोगों ने शोर मचाया तो घर से भागते हुए उन लोगों ने हमारे घर के छप्पर भी गिरा दिया व उक्त लोगों ने कहा कि अगर तुम पुलिस में शिकायत करोगी तो हमारा कुछ नहीं होगा लेकिन तुम्हें जान से मार देंगे। उसके बाद हम लोग थाना चांदपुर में रिपोर्ट दर्ज कराने गए तो वहां से भी हम लोगों को भगा दिया गया। जिसके बाद आज पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देकर उन लोगों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की मांग की है। इस मौके पर पूनम देवी, कोमल देवी, सुनीता देवी, शिव पूजन, आदि लोग मौजूद रहे।

व्यापार-मंडल की मुहिम से प्रभावित होकर तीन और विद्यालयों ने फीस की माफ

खागा (फतेहपुर)। व्यापार मंडल (कंछल गुट) अध्यक्ष शिवचन्द्र शुक्ल ने और भी सभी विद्यालयों से भी अतिशीघ्र ही फीस माफ किये जाने व फीस में राहत देकर किश्तों में फीस लेने एवं नई किताबें न लगाकर पुरानी किताबों से ही पढ़ाई करवाने का अनुरोध किया। व्यापार मण्डल द्वारा चलाई जा रही अभिभावको के हित में मुहिम से प्रभावित होकर तीन और स्कूलों ने तीन तीन महीनों (अप्रैल,मई और जून) माह की फीस को बिल्कुल माफकर अपने अपने अभिवावकों को राहत प्रदान की है, जिनमें मालती विद्यापीठ उत्तर माध्यमिक विद्यालय सरौली, नेशनल पब्लिक स्कूल खखरेरू, अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद विद्या मंदिर हरदों हैं, विद्यालयों द्वारा उठाए गए इस सराहनीय कदम से खुश होकर व्यापार मंडल अध्यक्ष ने कहा कि हम इन सभी विद्यालयों के प्रति दिल से आभार व्यक्त करते हैं, साथ ही इन सभी विद्यालयों के प्रबंधक एवं प्रधानाचार्यों का अतिशीघ्र ही हमारे व्यापार मंडल द्वारा स्वागत एवं अभिनन्दन भी करेंगें।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति का हार्दिक स्वागतःअभाविप

फतेहपुर, ! आधुनिक भारत को गढ़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी शिक्षा नीति अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, देश की आकाँक्षाओं के अनुरूप आधुनिक भारत को गढ़ने में महत्वपूर्ण बहुप्रतीक्षित राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने के कदम का हार्दिक स्वागत करती है। भारत का प्रबुद्ध नागरिक राष्ट्रीय शिक्षा नीति के द्वारा प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षा तक के क्षेत्र में बडे परिवर्तनों की अपेक्षा लंबे समय से कर रहा था। भारतीय शिक्षा व्यवस्था में ज्ञान आधारित, रोजगारोन्मुख, तकनीक युक्त तथा विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास में सहायक शिक्षा के अनुरूप सुधार हो यह भारत का आम नागरिक भी चाहता था। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति, आम भारतीय के उपर्युक्त अपेक्षाओं के अनुरूप उतरेगी। अभाविप की राष्ट्रीय महामंत्री निधि त्रिपाठी ने कहा कि, ÷भारतीय मूल्यों के अनुरूप तथा वैश्विक मानकों पर खरा उतरने योग्य शिक्षा नीति की आवश्यकता देश को लंबे समय से थी, जिन बड़े सुधारों की आवश्यकता भारत की जनता लंबे समय से कर रही थी, उन सुधारों पर सरकार ने ध्यान दिया है। हम आशा करते हैं कि ये परिवर्तन करोड़ों की संख्या वाले भारतीय छात्र समुदाय के सपनों को पंख देगा। सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि बिना किसी देरी के नए सुधार जमीनी स्तर पर संभव? हों। राष्ट्रीय शिक्षा नीति हेतु अहर्निश कार्य करने वाले समिति के सभी सदस्यों तथा भारत सरकार का बहुत-बहुत धन्यवाद तथा अभिनन्दन। अभाविप के अखिल भारतीय विश्वविद्यालय कार्य प्रमुख श्रीहरि बोरिकर ने कहा कि कैबिनेट द्वारा स्वीकृत नई शिक्षा नीति का मैं हार्दिक स्वागत करता हूँ। नए भारत की आकांक्षाओं को गतिमान करने में यह नीति कारगर सिद्ध होगी। भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए यह युवाओं को उचित संबल व तैयारी उपलब्ध कराएगी जिससे वे आने वाले भविष्य के लिए तैयार हो सकें, ऐसी आशा हम सबको है। अभाविप के प्रदेश मंत्री तरुण बाजपेई ने कहा,÷ राष्ट्रीय शिक्षा नीत देश के युवाओं को देश के लिए जीने और उसे प्रगति के पथ पर ले जाने में कारगर सिद्ध होगी। नई शिक्षा नीति देश में युवाओं को शिक्षा के नए अवसर तो मिलेंगे ही साथ में रोजगार हासिल करने में भी आसानी होगी।

कोतवाली परिसर में कोरोना जांच हेतु लिए गए सैंपल

बिंदकी (फतेहपुर), । कोरोना वायरस संक्रमण से बचाव के लिए सभी लोग प्रयासरत हैं। इसी के चलते कोतवाली परिसर में भी कोरोना वायरस संक्रमण से बचाव के लिए बैरिकेडिंग करके स्वास्थ्य विभाग द्वारा एक कैंप लगाया गया। जिसमें कोरोना जांच के लिए सैंपल लिए गए। कोरोना वायरस संक्रमण लगातार बढ़ता जा रहा है जिसको देखते हुए पुलिस प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग सभी चिंतित हैं। कोरोना वायरस संक्रमण से बचाव के लिए कोतवाली परिसर में बैरिकेडिंग करके स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा एक कैंप लगाकर कोरोना जांच के लिए कई लोगों के सैंपल लिए गए। स्वास्थ विभाग की टीम लगातार विभिन्न स्थानों पर कैंप लगाकर कोरोना के सैंपल लेने का काम कर रही है। इसी के चलते कोतवाली परिसर में भी कैंप लगाकर सैंपल लिए गए। इसके बाद ही कोरोना वायरस संक्रमण की स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। पुलिस और प्रशासन लगातार लोगों को कोरोना वायरस संक्रमण से बचाव के लिए हिदायत दे रही है। लोगों से बार-बार कहा जा रहा है कि बेवजह घरों से मत निकले घरो के अंदर रहे, बहुत आवश्यक होने पर ही घर के बाहर निकलें, बाहर निकले तो सामाजिक दूरी का पालन करें और मॉस्क अवश्य लगाएं।

असहयोग आन्दोलनः सौ वर्ष पूर्व गांधी ने देश को आत्मा दी थी

आज हमारी सरकार निरंकुश शासकों का सा व्यवहार कर रही है। जिन कारणों से असहयोग आंदोलन छेड़ा गया था वे ब्रिटिश सरकार द्वारा उत्पन्न की गई थीं। आज निर्वाचित सरकार ही नागरिकों के अधिकार कुचल रही है। कोविड-19 की महामारी और उसके कारण बने हालातों से जूझते असंख्य श्रमिकों, गरीबों और मध्यवर्गीयों के सामने वैसी ही परिस्थितियां उत्पन्न हो गई हैं। सरकार और सत्ता दल नागरिकों की कोई मदद न कर स्वयं मजबूत, खुदगर्ज और समृद्ध हो रहे हैं। मोहनदास करमचंद गांधी आजाद रहने का दूसरा नाम है। देश, समाज और मानव की स्वतंत्रता को पाने और उसे बनाये रखने के अनेक बाण उन्होंने अपने तरकश में रखे हुए थे। उनमें सबसे महत्वपूर्ण और मारक साबित हुआ करीब पौने दो साल चला असहयोग आन्दोलन। ठीक सौ वर्ष पहले, 1 अगस्त, 1920 को छोड़े गये इस तीर को अपना काम पूरा करने के पहले ही एक विशेष कारण से स्वयं गांधीजी ने तरकश में वापस रख दिया था, लेकिन इससे उनकी ऊंचाई महामानव की हो गई- देवताओं के समकक्ष। असहयोग आंदोलन एक विपन्न देश के एकाएक साहसी और आजाद खयाल हो जाने का जरिया तो बना ही, उसने हमारे पूरे स्वतंत्रता आंदोलन को मानवीयता, नैतिकता और औदार्य का वह गुण प्रदान किया था, जिसने परवर्ती भारत की राजनीति और लोकतंत्र का एकदम नया चेहरा गढ़ा था। अगर इस आंदोलन की पृष्ठभूमि को देखें तो इसके कई कारण स्पष्ट हैं। पहले विश्व युद्ध ने पूरी दुनिया के साथ अन्य साम्राज्यवादी उपनिवेशों की तरह भारत में भी नई आर्थिक और राजनैतिक स्थितियां बनाई थीं। अंग्रेजों ने अपने रक्षा व्यय को पूरा करने के लिये करों में खूब बढ़ोतरी की। 1913 से 1918 के बीच वस्तुओं की कीमतें कई गुना हो गईं। देश के कई हिस्सों में फसलें खराब होने से महंगाई खूब बढ़ी। अंग्रेज सिपाहियों के साथ आए स्पेनिश फ्लू यानी इन्फ्लुएंजा से लाखों लोग मारे गये। इन कठिनाइयों के बीच लोगों की दिक्कतें दूर करने में अंग्रेज सरकार ने कोई मदद नहीं की जिससे लोगों का रोष बढ़ा। पहले महासमर के दौरान अंग्रेजों ने प्रेस पर प्रतिबंध और बगैर जांच किये सजा के प्रावधान लागू कर दिये थे। सर सिडनी रौलेट की अध्यक्षता वाली एक समिति की सिफारिशों के आधार पर इन कड़े कानूनों को लाया गया था, जिसके विरोध में गांधीजी ने देशव्यापी आंदोलन छेड़ दिया। इन्हें शैतानी, अत्याचारी और काले कानून की संज्ञाएं दी गई थीं। देश भर में बंद हुआ, खासकर पंजाब में प्रखर विरोध हुआ क्योंकि वहीं से बड़ी संख्या में लोग महायुद्ध में ब्रिटिश आर्मी की ओर से लड़े थे। वे अब इसके बदले में सदाशयता स्वरूप आजादी चाहते थे।

पंजाब जाते हुए गांधीजी गिरफ्तार हो गये। वायसराय लॉर्ड चेम्सफोर्ड के कार्यकाल में आये इस अधिनियम का उद्देश्य भारत में राजनीतिक गतिविधियों को दबाना था। 13 अप्रैल, 1919 को अमृतसर के जालियांवाला बाग हत्याकांड? ने देश को उद्वेलित कर दिया था। खिलाफ़त आंदोलन के जरिये देश में हिन्दू और मुसलमान पहले ही एक हो गये थे। बापू के आदेश पर विद्यार्थियों ने सरकारी स्कूल-कॉलेज और वकीलों ने अदालतें छोड़ दीं। कई कस्बों-नगरों में श्रमिक हड़तालें छिड़ गईं। 1921 के सरकारी आंकड़ों के मुताबिक 396 हड़तालें हुई जिनमें छह लाख से ज्यादा श्रमिक शामिल हुए और 70 लाख रुपये का नुकसान हुआ था। ग्रामीणों ने लगान देने से मना कर दिया और अनेक जनजातियों ने वन कानूनों की अवहेलना की। कुमाऊं के मजदूरों ने सरकारी अधिकारियों के सामान ढोने से इंकार कर दिया। अकेले बंगाल में लगभग एक लाख विद्यार्थियों ने अपनी पढ़ाई त्याग दी थी। देशभक्तों ने अनेक राष्ट्रीय विद्यालयों और कॉलेजों की स्थापना कीं, जिनमें कई नेता छात्रों-छात्राओं को पढ़ाने लगे थे। 1921 में भारत आगमन पर सभी जगह प्रिन्स ऑफ वेल्स का बहिष्कार हुआ और उन्हें काले झण्डे दिखाये गये। यह हमारे स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास का सर्वाधिक जगमग अध्याय है। दक्षिण अफ्रीका से लौटने के बाद गांधीजी के आह्वान पर छेड़ा गया यह प्रथम जनांदोलन था जिसमें असहयोग की नीति को अपनाया गया था। इसके माध्यम से बापू को देश ने अपना सर्वोच्च सेनापति स्वीकार कर लिया था, जिनके कहने पर आंदोलन हुआ और उनके एक शब्द पर समेट लिया गया। 1857 के बाद यह आजादी के लिये देश की सबसे बड़ी लड़ाई साबित हुई, यद्यपि इसका हश्र भी वैसी ही असफलता के रूप में हुआ। सत्तावन की लड़ाई तो सैन्य पराजय थी, लेकिन असहयोग आंदोलन का समापन एक नैतिक विजय के रूप में हुआ था।

मानवीय और नैतिक मूल्यों से समझौता करने से देश ने इंकार कर दिया और अहिंसा को वरीयता दी थी। 1922 तक ब्रिटिश एंपायर की चूलें हिला देने वाले इस आंदोलन को स्थगित कर दिया क्योंकि फरवरी 1922 में कुछ आंदोलनकारियों ने गोरखपुर के निकट स्थित चौरी-चौरा पुलिस स्टेशन में आग लगा दी थी। इससे 22 पुलिसकर्मी जलकर मर गये। व्यथित गांधीजी ने यह कहकर वह आंदोलन वापस ले लिया कि देश अभी स्वतंत्रता के लिये तैयार नहीं है, जिसके बारे में उन्हें विश्वास था कि यदि यह ठीक से चला तो देश एक वर्ष में स्वतंत्र हो जायेगा। निराश मोतीलाल नेहरू ने कहा था- कन्याकुमारी के एक गांव ने अहिंसा का पालन नहीं किया तो इसकी सजा हिमालय के गांव को क्यों मिले?श् नाराज सुभाषचन्द्र बोस कह उठे थे-उत्साह के चरमोत्कर्ष पर लौटने का आदेश राष्ट्रीय दुर्भाग्य से कम नहीं है। परकाष्ठा पर पहुंचे आन्दोलन को स्थगित करने से गांधी की लोकप्रियता भी घटी पर वे अडोल रहे। इस बाबत गांधीजी ने यंग इण्डिया में लिखा था-आन्दोलन को हिंसक होने से बचाने के लिए मैं हर तरह का अपमान, हर प्रकार का यातनापूर्ण बहिष्कार और मौत भी सहने को तैयार हूं। 13 मार्च, 1922 को बापू को गिरफ्तार कर असंतोष व अराजकता भड़काने के आरोप में 6 साल की सजा सुनाई गई। जस्टिस सीएन ब्रूमफील्ड ने सजा सुनाते हुए कहा था- मैंने आज तक जिनकी जांच की है अथवा करूंगा, आप उन सभी से भिन्न श्रेणी के हैं। लाखों देशवासियों की दृष्टि में आप एक महान देशभक्त और नेता हैं। जो आपसे भिन्न मत रखते हैं, वे भी आपको उच्च आदर्शों और पवित्र जीवन वाले व्यक्ति के रूप में देखते हैं। आगे वे बोले- श्यदि सरकार के लिए सजा में कमी और आपको मुक्त करना संभव हुआ तो मैं सर्वाधिक खुश होऊंगा।श् स्वास्थ्यगत कारणों से बापू 5 फरवरी, 1924 को रिहा हुए। गुजरात के बारडोली में 12 फरवरी, 1922 को कांग्रेस की हुई बैठक में असहयोग आंदोलन को लपेट देने का फैसला हुआ पर इसकी कोख से कालांतर में सविनय अवज्ञा, विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार, स्वदेशी, चरखा, आत्मनिर्भरता जैसे आंदोलन निकले, जिन्होंने ब्रितानी हुकूमत को नाकों चने चबवाना जारी रखा था। इन्हीं आंदोलनों और अभियानों ने हमारे वैचारिक ताने-बाने और तासीर को नये सिरे से रचते हुए भारत को अहिंसक, मानवीय और विवेकपूर्ण समाज बनाया। महात्माजी के अमरीकी जीवनी लेखक लुई फिशर कहते हैं- श्असहयोग भारत और गांधीजी के जीवन के एक युग का ही नाम हो गया। शांति की दृष्टि से तो असहयोग नकारात्मक किन्तु प्रभाव की दृष्टि से अत्यन्त सकारात्मक था। इसके लिए परित्याग और स्व-अनुशासन आवश्यक थे। 1920 के दौरान प्रसिद्ध अमेरिकी मेथडिस्ट ईसाई, मिशनरी धर्मगुरु एवं विचारक डॉ. ई. स्टेनली जोन्स (नोबल पुरस्कार हेतु नामांकित एवं 1963 में श्गांधी शांति पुरस्कारश् से सम्मानित) बापू से दिल्ली के सेंट स्टीफेन कॉलेज में तत्कालीन प्राचार्य रूद्र के निवास पर जब मिले थे।

सम्पादकीय

नुकसानदेह कुवैत कोटा बिल

दुनिया ने कई आर्थिक मंदी देखी है. लेकिन, विश्वबैंक ने अप्रैल में ही आगाह कर दिया था कि कोरोना वायरस महामारी जनित मंदी सबसे गंभीर होगी. विश्वबैंक का शक यकीन में तब्दील होता दिख रहा है. पूरी दुनिया की आर्थिक व्यवस्था चरमराती जा रही है. हर देश की सरकार नौकरी और खर्च में कटौती करने में जुट गयी है. लेकिन, इन कदमों से दुनिया के दूसरे देश ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं. वैश्विक आपदा के चलते अब तक 1.5 लाख भारतीय खाड़ी देशों से वापस आ चुके हैं. इनमें से 70 हजार ऐसे हैं, जिनकी नौकरी छिन चुकी है. लेकिन, प्रवासी कोटा बिल मसौदे को मंजूरी देकर कुवैत की नेशनल असेंबली ने भारत के सामने इससे भी बड़ी परेशानी खड़ी कर दी है. यह बिल पूरे कुवैत में दुनियाभर से आये प्रवासियों को कम करने के लिए लाया गया है. लेकिन, भारत के लिए यह दो वजहों से खासा चिंतित करनेवाला है. पहली वजह, कुवैत की प्रवासी आबादी में भारत की हिस्सेदारी (14.5 लाख) सबसे ज्यादा है. दूसरी, यह कि भारतीय प्रवासियों की आबादी को घटाकर महज 15 फीसदी पर लाने का प्रावधान है. अगर इस बिल को अमल में लाया जाता है, तो आठ लाख भारतीयों को वापस लौटना पड़ सकता है. अब सवाल है कि कुवैत यह बिल क्यों ला रहा है? वर्तमान में कच्चा तेल गिरावट के दौर से गुजर रहा है और यह खाड़ी देशों की आमदनी का मुख्य स्रोत है. इससे वहां की अर्थव्यवस्था चरमरा गयी है. खर्चों को कम करने के लिए कामगारों की छंटनी की जा रही है. दूसरी वजह है कि कुवैत में ज्यादातर कोरोना पॉजिटिव मामले विदेशी प्रवासियों में देखने को मिले हैं. भीड़-भाड़ वाले आवास में रहने से इनके बीच संक्रमण तेजी से हुआ है. लिहाजा, वहां प्रवासी विरोधी आकांक्षाओं में वृद्धि हुई है. खाड़ी देशों की हालत खराब होने और भारतीयों की नौकरी जाने से भारत के सामने दो तरह की चुनौती आ गयी है. पहली, प्रवासियों द्वारा भेजे जानेवाले धन (रेमिटेंस) में गिरावट से भारत की अर्थव्यवस्था प्रभावित होगी और दूसरी, इन बेरोजगार प्रवासियों को सरकार रोजगार कैसे मुहैया करायेगी. दरअसल, दुनियाभर के देशों से जो पैसे भारत आते हैं, उनमें संयुक्त अरब अमीरात (युएई), सऊदी अरब, कुवैत और कतर जैस खाड़ी देश शीर्ष पर हैं. पिछले कुछ सालों में वैश्वीकरण के परिणामस्वरूप रेमिटेंस की अहमियत बढ़ी है. विकासशील देशों में रेमिटेंस विदेशों से होनेवाली आय का सबसे बड़ा स्रोत बन गया है. लेकिन, महामारी के कारण इसमें भारी कमी आयेगी. ब्लूमबर्ग के मुताबिक युएई से भारत आनेवाले फंड में साल 2020 की दूसरी तिमाही में ही 35 फीसदी की गिरावट आयेगी. वर्ष 2018 में कुवैत से 4.8 बिलियन डॉलर धन भारत प्रेषित हुआ था. कुवैती सरकार के नये रुख के बाद इसमें भारी कमी आयेगी. विश्वबैंक के मुताबिक 2019 में भारत को रेमिटेंस के रूप में प्राप्त हुए 83 बिलियन अमेरिकी डॉलर के बरक्स इस साल 64 बिलियन डॉलर प्राप्त होगा. वर्ष 2018 में भारत दुनिया में सबसे ज्यादा रेमिटेंस प्राप्त करनेवाला देश था. लाखों प्रवासी भारतीयों ने दुनिया के कई देशों में काम करते हुए रेमिटेंस के जरिये देश की अर्थव्यवस्था में योगदान दिया. वैश्विक स्तर पर रेमिटेंस में गिरावट का सीधा असर भारतीय अर्थव्यवस्था और प्रवासी भारतीयों पर आश्रित उनके परिवारों पर पड़ेगा. हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि विदेशों से आनेवाले धन पोषण में वृद्धि, गरीबी दूर करने, स्वास्थ्य और मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करने में सहायक रहे हैं. इस बात के भी प्रमाण हैं कि रेमिटेंस पानेवाले घरों में बाल मजदूरी के मामलों में कमी आयी है और शिक्षा पर होनेवाले खर्च में इजाफा हुआ है. लेकिन, अब न केवल इन परिवारों, बल्कि सरकार के सामने भी कई चुनौतियां खड़ी हो जायेंगी. अभी भले ही केवल कुवैत सरकार यह कदम उठा रही हो, लेकिन भविष्य में दूसरे खाड़ी देश भी ऐसे नियम बना सकते हैं. विदेश मंत्रालय के मुताबिक करीब 85 लाख भारतीय केवल खाड़ी देशों में काम करने जाते हैं. अब आनेवाले दिनों में रोजगार की समस्या और विकराल होगी. भारत सरकार को व्यापक स्तर पर तैयारी करने की जरूरत है. खाड़ी देशों में कुशल और अकुशल दोनों ही तरह के कामगार जाते हैं. लिहाजा, भारत सरकार को चाहिए कि वह विदेश से लौटने वाले भारतीयों के लिए एक डेटाबेस तैयार करे. इसमें उन्हें कार्यकुशलता के आधार पर चिन्हित किया जाये, ताकि उन्हें उनकी कुशलता के अनुसार रोजगार मुहैया कराया जा सके. हमें उनकी योग्यता, कार्यकौशल और अनुभवों को भारत को आत्मनिर्भर बनाने के संकल्प के साथ जोड़ने की जरूरत है. मेक इन इंडिया जैसे नारों को हकीकत में बदलने का भी ये अच्छा मौका है. लेकिन, इसके लिए जरूरी है कि सरकार रोजगार सृजन के उपायों पर जोर दे. भारत को खाड़ी देशों के साथ सहयोग के नये क्षेत्रों जैसे- स्वास्थ्य सेवा, दवा अनुसंधान और उत्पादन, पेट्रोकेमिकल, कम विकसित देशों में कृषि, शिक्षा और कौशल में सहयोग बढ़ाने की जरूरत है. खाड़ी देश पेट्रोलियम उत्पादन के अलावा अन्य क्षेत्रों की ओर अर्थव्यवस्था को दिशा देने की कोशिश कर रहे हैं. ऐसे में भारत यहां विभिन्न क्षेत्रों में निवेश को बढ़ाकर प्रमुख भूमिका निभा सकता है, ताकि वहां से भारतीयों की वापसी पर पूर्ण विराम लग सके

अमेरिकी चुनाव और ट्रंप के तेवर

इक्कीसवीं सदी के दूसरे दशक की शुरुआत में डोनाल्ड ट्रंप अपनी जीत को लेकर लगभग आश्वस्त थे. उन दिनों उनके आश्वस्त होने के कारण भी थे. अमेरिका की बेरोजगारी दर दूसरे विश्व युद्ध के बाद के सर्वाधिक निचले स्तर पर थी, यानी कि देश में बेरोजगारों की संख्या सर्वाधिक कम थी. लिबरल और प्रोग्रेसिव सोच वाले लोग भले ही कई मुद्दों पर ट्रंप की आलोचना करते रहे हों परंतु, यह तो सच ही है कि ट्रंप के आने के बाद अमेरिका में रोजगार की स्थिति और भी बेहतर हो गयी थी. पिछले चार वर्षों में ट्रंप ने मेक्सिको से लगती सीमा पर दीवार उठाने से लेकर चुनिंदा मुस्लिम देश के लोगों के अमेरिका आने पर प्रतिबंध लगाने जैसे जो भी विवादित फैसले लिये हैं, उसकी दुनिया भर में भले ही आलोचना हो रही है, लेकिन इन मुद्दों पर उन्हें अपने देश में समर्थन मिला हुआ था. ट्रंप के प्रशासन में भारत के साथ संबंध भी खराब नहीं हुए थे, बल्कि ट्रंप और मोदी की दोस्ती के चर्चे हर जगह थे. यहां तक कि दोनों नेताओं ने एक-दूसरे के देशों की यात्रा भी की. कुल मिलाकर माहौल बेहतरीन था, लेकिन मार्च में कोरोना और उसके बाद जॉर्ज फ्लॉयड हत्याकांड ने पिछले तीन महीनों में अमेरिकी राजनीति में बहुत बड़ा उलटफेर किया है. डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से जो बाइडेन उम्मीदवार हैं. वे लंबे समय से राजनीति में हैं, अनुभवी हैं और सबसे बड़ी बात की देश की जनता के पास ले जाने के लिए उनके पास एक एजेंडा है. इसके ठीक उलट, पिछले कुछ महीनों में ट्रंप का हर फैसला उनके लिए ही घातक ही साबित हुआ है. कोरोना वायरस को पहले ट्रंप प्रशासन ने वुहान वायरस नाम देने की कोशिश की लेकिन इसका बहुत ज्यादा असर नहीं हुआ. चीन ने न केवल इन शब्दों का विरोध किया, बल्कि कहा जाता है कि चीन की तरफ से एक कांस्पिरेसी थ्योरी भी चलाई गयी कि असल में यह वायरस अमेरिकी बायोलॉजिकल वारफेयर का हिस्सा है. चूंकि अमेरिका की गुप्तचर संस्था सीआइए पहले से ही बदनाम रही है, ऐसे में इस कांस्पिरेसी थ्योरी को बहुत बल मिला. जाहिर है कि ट्रंप सरकार इस मामले में चीन से बेहद नाराज है, मगर वह चीन के खिलाफ कोई सीधी कार्रवाई नहीं कर सकती क्योंकि अमेरिका का बहुत सारा व्यापार चीन पर निर्भर है. इसी कारण अमेरिका ने इस बात की खीझ विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) पर निकाली. ट्रंप ने तो ट्विटर के जरिये ही इसकी अगुवाई भी की. आज की तारीख में अमेरिका डब्ल्यूएचओ से अलग है. किसी भी वैश्विक ताकत का एक वैश्विक संगठन से अलग होना उस देश की छवि के लिए सकारात्मक नहीं होता है. इसलिए ट्रंप का यह फैसला भी गलत ही साबित हुआ. भले ही ट्रंप कोरोना वायरस को चाइना वायरस कह कर संबोधित कर रहे हैं, लेकिन इसके लिए उनकी लगातार आलोचना हो रही है. अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत-चीन तनाव के बाद अमेरिका ने भारत के पक्ष में बड़ा बयान दिया है, लेकिन उसे भी अमेरिका की खीझ के रूप में ही देखा जा रहा है. अगर घरेलू मोर्चे पर देखें तो जॉर्ज फ्लॉयड हत्याकांड पर ट्रंप की लाइन एक नस्लभेदी नेता जैसी रही है, और वो लगातार ट्वीट करते रहे हैं कि प्रदर्शनकारी अगर हिंसा करेंगे तो उसका जवाब ताकत से दिया जायेगा. किसी प्रशासनिक अधिकारी द्वारा किये गये ऐसे ट्वीट को तो सही ठहराया जा सकता है लेकिन देश के राष्ट्रपति के इस तरह ट्वीट करने से जनता में अच्छा संदेश नहीं जाता है. दूसरी बात, कोरोना के कारण अमेरिका की बेरोजगारी दर खतरनाक स्तर पर पहुंच गयी है. बेरोजगारी पर नकेल कसना फिलहाल ट्रंप के लिए मुश्किल है, क्योंकि अगर वे काम-काज के लिए शहरों को खोलते हैं तो कोरोना का कहर बढ़ता है और बंद रखते हैं तो लोग बेरोजगार हो रहे हैं. ऐसे मुश्किल समय में जब नीतियों, बयानों और फैसलों को लेकर एक संतुलित दृष्टिकोण की जरूरत होती है, ट्रंप के बयान और फैसले लोगों तक ठोस संदेश पहुंचा पाने में असफल साबित हो रहे हैं. यही कारण है कि उन्हें लगातार अपने फैसलों में बदलाव करना पड़ा है. मार्च के महीने में कोरोना को फर्जी बताने वाले ट्रंप को बाद में यह कहना पड़ा कि इस संक्रमण से देश में एक लाख से अधिक मौत हो सकती है. इतना ही नहीं, मास्क का लगातार विरोध करने वाले राष्ट्रपति को अंततः मास्क पहन कर लोगों के सामने आना पड़ा और यह संदेश देना पड़ा कि प्रत्येक व्यक्ति को बाहर निकलते समय मास्क पहनने की जरूरत है. रोजगार के मुद्दे पर भी उनकी सरकार ने अभी तक कोई ठोस नीति नहीं पेश की है. अलबत्ता उन्होंने न केवल एच1एन1 वीजा पर रोक लगायी है, बल्कि ऐसे वीजाधारक अगर दूसरे देश में थे तो उनके भी अमेरिका आने पर दिसंबर तक रोक लगा दी है. इस कारण भारत समेत कई देशों में लोगों का भविष्य अधर में लटक गया है. छात्रों को लेकर भी ट्रंप सरकार ने इसी तरह का एक फैसला लिया था कि यदि सभी पाठ्यक्रमों की पढ़ाई ऑनलाइन हो रही है तो अंतरराष्ट्रीय छात्रों को अमेरिका छोड़ना होगा. इस मुद्दे को कोर्ट में चुनौती दी गयी और उन्हें यह फैसला वापस लेना पड़ा था. पिछले सप्ताह ट्रंप ने स्कूलों को खोलने के निर्देश देते हुए चेतावनी दी थी कि जो स्कूल खोले नहीं जायेंगे उनकी सरकारी फंडिंग रोक दी जायेगी.

कहां जन्मे थे भगवान राम

रामायण पर विद्वतापूर्ण रचनायें, तत्कालीन समाज में व्याप्त मूल्यों और परम्पराओं में विविधता को रेखांकित करते हैं। हर राष्ट्रवाद, अतीत का अपना संस्करण रचता है। एरिक होब्स्वाम के अनुसार, राष्ट्रवाद के लिए इतिहास वह है जो अफीमची के लिए अफीम। ऐसा लगता है कि विभिन्न प्रकार के राष्ट्रवाद, इतिहास की नहीं वरन पौराणिकी के भी वही संस्करण चुनते हैं जिनसे उनके निहित स्वार्थों की पूर्ति होती हो। आगामी पांच अगस्त को उस स्थान पर राम मंदिर का निर्माण शुरू किया जाना है जहां एक समय बाबरी मस्जिद स्थित थी। इस बीच इस मुद्दे पर दो विवाद उठ खड़े हुए हैं। पहला यह कि कुछ बौद्ध संगठनों ने दावा किया है कि मंदिर के निर्माण के लिए जमीन का समतलीकरण किये जाने के दौरान वहां बौद्ध विहार के अवशेष मिले हैं, जिससे ऐसा लगता है कि उस स्थल पर मूलतः कोई बौद्ध इमारत थी। दूसरे, नेपाल के प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली ने दावा किया है कि वह अयोध्या, जिसमें राम जन्मे थे, दरअसल, नेपाल के बीरगंज जिले में है। यह कहना मुश्किल है कि ओली ने इसी मौके पर यह मुद्दा क्यों उठाया। उनके इस दावे की उनके ही देश में आलोचना हुई जिसके बाद उनके कार्यालय ने एक स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री का इरादा किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का नहीं था। रामकथा को लेकर यह पहला विवाद नहीं है। सन् 1980 के दशक में जब महाराष्ट्र सरकार ने बी.आर. आंबेडकर के वांग्मय का प्रकाशन शुरू किया था उस समय भी उनकी पुस्तक श्रिडल्स ऑफ राम एंड कृष्णश् को इस संग्रह में शामिल किये जाने का भारी विरोध हुआ था। इस पुस्तक में आंबेडकर ने शम्बूक नामक शूद्र की तपस्या करने के लिए हत्या करने, जनप्रिय राजा बाली को धोखे से मारने और अपनी गर्भवती पत्नि सीता को त्यागने के लिए भगवान राम की आलोचना की है। इसके अलावा, सीता को अग्निपरीक्षा देने के लिए मजबूर करने के लिए भी आंबेडकर ने राम को कटघरे में खड़ा किया है। आंबेडकर के पहले जोतीराव फुले ने राम द्वारा छुप कर बाली को बाण मारने की निंदा की थी। बाली एक स्थानीय राजा था, जो अपने प्रजाजनों का बहुत ख्याल रखता था और उनमें बहुत लोकप्रिय था। पेरियार ई.वी. रामासामी नायकर ने भगवान राम के व्यक्तित्व के इन पक्षों पर केन्द्रित श्सच्ची रामायणश् लिखी थी। रामकथा के प्रचलित संस्करण के पात्र जिस तरह का लैंगिक और जातिगत भेदभाव करते दिखते हैं, पेरियार उसके कटु आलोचक थे। पेरियार तमिल अस्मिता के पैरोकार थे। उनके अनुसार, रामायण की कहानी ऊंची जातियों के संस्कृतनिष्ठ, जातिवादी उत्तर भारतीयों द्वारा राम के नेतृत्व में दक्षिण भारत के लोगों पर अपने आधिपत्य स्थापित करने के ऐतिहासिक घटनाक्रम का रूपक मात्र है। पेरियार के अनुसार, रावण प्राचीन द्रविड़ों के सम्राट थे और उन्होंने सीता का अपहरण केवल अपनी बहन शूर्पणखा के अपमान और उसे विकृत किये जाने का बदला लेने के लिए किया था। पेरियार के अनुसार, रावण एक महान भक्त और एक नेक और धर्मात्मा व्यक्ति थे।

बाबरी मस्जिद के ध्वंस के बाद सन् 1993 में सफ्दर हाशमी मेमोरियल ट्रस्ट (सहमत) द्वारा पुणे में लगाई गई एक प्रदर्शनी में तोड़-फोड़ की गई थी। वह इसलिए क्योंकि वहां बौद्ध जातक कथा पर आधारित एक पेंटिंग प्रदर्शित की गई थी, जिसमें सीता को राम की बहन बताया गया था। इस कथा के अनुसार, राम और सीता उच्च जाति के एक ऐसे कुल से थे जिसके सदस्य अपनी पवित्रता बनाये रखने के लिए अपने कुल से बाहर शादी नहीं करते थे। कुछ वर्ष पूर्व, आरएसएस की विद्यार्थी शाखा एबीवीपी ने ए.के. रामानुजन के लेख थ्री हंड्रेड रामायणाज को पाठ्यक्रम से हटाने की मांग को लेकर आन्दोलन किया था। इस लेख में रामानुजन बताते हैं कि रामायण के कई संस्करण हैं जिनमें अनेक विभिन्नताएं हैं और जिनमें घटनाक्रम का स्थान अलग-अलग बताया गया है। संस्कृत के विद्वान और भारत में पुरातत्वीय उत्खनन के अगुआ एच.डी. सांकलिया के अनुसार, हो सकता है कि रामायण में वर्णित अयोध्या और लंका, आज की अयोध्या और लंका से अलग कोई स्थान रहे हों। उनके अनुसार, लंका शायद आज के मध्यप्रदेश में कोई स्थान रहा होगा क्योंकि इस बात की प्रबल संभावना है कि ऋषि वाल्मीकि, विंध्य पर्वतमाला के दक्षिण में स्थित इलाके के बारे में कुछ नहीं जानते रहे होंगे। आज जिसे श्रीलंका कहा जाता है, उसका पुराना नाम ताम्रपर्णी था। रामायण के अलग-अलग आख्यान भारत ही नहीं, बल्कि पूरे दक्षिण-पूर्व एशिया में पाए जाते हैं और इनमें से कई बहुत दिलचस्प हैं। पौला रिचमन की पुस्तक श्मेनी रामायणाजश् (ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस) में भगवान राम की विभिन्न कथाओं की दिलचस्प झलकियां दी गई हैं। भारत में रामकथा का जो संस्करण आज सबसे अधिक प्रचलित है वह वाल्मीकि की रामायण, गोस्वामी तुलसीदास की रामचरितमानस और रामानंद सागर के टीवी सीरियल रामायण पर आधारित है। इस सीरियल का कोरोना लॉकडाउन के दौरान पुनर्प्रसारण किया गया। राम की कथा का अनेक भाषाओं में अनुवाद हो चुका है जिनमें बाली, संथाली, तमिल, तिब्बती और पाली शामिल हैं। पश्चिमी भाषाओं में इसके अनेकानेक संस्करण हैं, जिनकी कथाएं एक-दूसरे से मेल नहीं खातीं। थाईलैंड में प्रचलित रामकीर्ति या रामकियेन संस्करण में भारतीय संस्करण के विपरीत, हनुमान ब्रह्मचारी नहीं हैं। रामायण के जैन और बौद्ध संस्करणों में राम, क्रमशः महावीर और गौतम बुद्ध के अनुयायी हैं। इन दोनों संस्करणों में रावण को एक विद्वान और महान ऋषि बताया गया है। कुछ संस्करणों, जो विदेशों में लोकप्रिय हैं, में सीता को रावण की पुत्री बताया गया है। मलयालम कवि वायलार रामवर्मा की कविता श्रावणपुत्रीश् भी यही कहती हैं। कई संस्करणों के अनुसार, दशरथ अयोध्या के नहीं वरन वाराणसी के राजा थे। फिर, रामायण के एक वह संस्करण भी है जो महिलाओं में प्रचलित है। तेलुगू ब्राह्मण महिलाओं द्वारा जो श्महिला रामायण गीत गाए जाते हैं, उन्हें रंगनायकम्मा ने संकलित किया है। इनमें महिलाओं की केन्द्रीय भूमिका है। इन गीतों में बताया गया है कि अंत में सीता राम पर भारी पडतीं हैं और शूर्पणखा, राम से बदला लेने में सफल रहती है। इन आख्यानों की समृद्ध विविधता से पता चलता है कि भगवान राम की कथा दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया में भी लोकप्रिय है और इसके कई रूप हैं। राममंदिर आन्दोलन पूरी तरह से रामकथा के उस आख्यान पर केन्द्रित है जिसे वाल्मीकि, तुलसीदास और रामानंद सागर ने प्रस्तुत किया है। उन तीनों में भी कुछ मामूली अंतर हैं, विशेषकर लैंगिक और जातिगत समीकरणों के सन्दर्भ में। वर्तमान में भारत में प्रचलित आख्यान, लैंगिक और जातिगत पदक्रम के पैरोकार हैं। और यही पदक्रम, सांप्रदायिक राजनीति के मूल में भी है। रामकथा के इस संस्करण के जुनूनी समर्थक पैदा कर दिए गए हैं। वे इस कथा के हर उस संस्करण, हर उस व्याख्या पर हमलावर हैं, जो सांप्रदायिक राजनीति के हितों से मेल नहीं खाते। रामायण पर विद्वतापूर्ण रचनायें, तत्कालीन समाज में व्याप्त मूल्यों और परम्पराओं में विविधता को रेखांकित करते हैं। हर राष्ट्रवाद, अतीत का अपना संस्करण रचता है। एरिकहोब्स्वाम के अनुसार, राष्ट्रवाद के लिए इतिहास वह है जो अफीमची के लिए अफीम। ऐसा लगता है कि विभिन्न प्रकार के राष्ट्रवाद, इतिहास की नहीं वरन पौराणिकी के भी वही संस्करण चुनते हैं जिनसे उनके निहित स्वार्थों की पूर्ति होती हो।

सार समाचार ....

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने (यूएई) में होने जा रहे इंडियन प्रीमियर लीग को लेकर साझा किया प्लान

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में होने जा रहे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 13वें संस्करण को लेकर अपनी विस्तृत योजनाएं साझा की हैं। इस वर्ष कोरोना वायरस महामारी के कारण आईपीएल भारत में नहीं, बल्कि यूएई में 19 सितंबर में शुरू होने जा रहा है। इस बीच शनिवार को आईपीएल संचालन परिषद की टेलीकांफ्रेंस के जरिए बैठक होगी, जिसके बाद रविवार और सोमवार को आईपीएल के प्रमुख हितधारकों, फ्रैंचाइजी मालिकों, प्रसारकों और मुख्या प्रायोजकों के साथ बैठक होगी।

इन बैठकों को मुख्य उद्देश्य आईपीएल के आयोजन को लेकर अंतिम मसौदे पर सहमति बनानी है। बीसीसीआई की योजना के तहत इस बार आईपीएल की सभी टीमों को कोरोना वायरस के मद्देनजर जैव सुरक्षित वातावरण में रहना होगा। प्रत्येक फ्रैंचाइजी को अपना जैव सुरक्षित वातावरण बनाना होगा, जिसमें टीम के सदस्य सीमित लोगों के साथ ही बातचीत कर सकेंगे। इसी तरह का जैव सुरक्षित वातावरण बोर्ड, आईएमजी, ब्रॉडकास्टर्स और अन्य के लिए भी बनाया जाएगा। किसी को भी जैव सुरक्षित वातावरण के बाहर के लोगों के साथ बातचीत करने की अनुमति नहीं होगी। योजना के अनुसार, बीसीसीआई के सेंट्रल रेवेन्यू पूल के वितरण में कोई बदलाव नहीं होगा। आईपीएल के सभी 60 मैच 51 दिनों में खेले जाएंगे।

चार महीने पाकिस्तान में रहने के बाद बाद विंडीज रवाना हुए दक्षिण अफ्रीका के लेग स्पिनर इमरान ताहिर

कराची एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के लेग स्पिनर इमरान ताहिर चार महीने पाकिस्तान में रहने के बाद आखिरकार वहां से वेस्टइंडीज के लिए रवाना हुए। इमरान ताहिर पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) खेलने के लिए पाकिस्तान में थे और मार्च के बाद से कोविड-19 महामारी के चलते दुनिया के तमाम देशों में ट्रैवल बैन के चलते वो पाकिस्तान में ही रूके थे।

पाकिस्तान में जन्मा यह दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाज रविवार को सीधे वेस्टइंडीज के लिए रवाना हुआ, जहां उन्हें कैरेबियाई प्रीमियर लीग (सीपीएल) में हिस्सा लेना है। पीएसएल के प्लेऑफ मैच नहीं खेले जा सके थे।

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली के इंस्टाग्राम पर सात करोड़ से ज्यादा फॉलोअर्स

नयी दिल्ली एजेंसी। विराट कोहली भारत के उन सेलेब्स में शामिल हैं, जिनकी वजह से पूरा देश उन पर गर्व करता है। खेल के मैदान पर कई रिकार्ड अपने नाम कर दिग्गजों से तारीफ पाने वाले भारतीय टीम के कप्तान विराट मैदान के बाहर भी उतने ही फेमस हैं।

देश में लागू लॉकडाउन की वजह से सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहने वाले विराट के इंस्टाग्राम, ट्विटर और फेसबुक पर करोड़ों फैंस हैं। भारतीय बल्लेबाज ने अब इस मामले में एक बड़ा मुकाम हासिल किया है और ऐसा करने वाले वह पहले भारतीय है। आपको बता दें कि विराट ने इंस्टाग्राम पर 70 मिलियन यानी सात करोड़ फॉलोअर्स का आंकड़ा पार किया है। वर्तमान में विराट के 70.2 मिलियन फॉलोअर्स हैं और यह संख्या लगातार बढ़ती जा रही है।

ब्रॉड 500 विकेट लेने वाले दुनिया के चौथे तेज गेंदबाज बन गए हैं।

इंग्लैंड ने कब्जाई विजडन ट्रॉफी, टेस्ट में 269 रन से हराया वेस्टइंडीज, 2-1 से जीती सीरीज

मैनचेस्टर | एजेंसी।

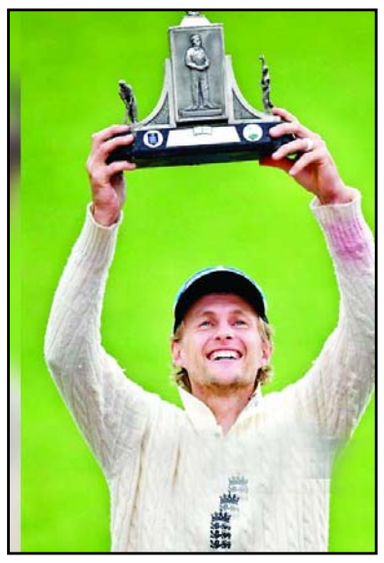

स्टुअर्ट ब्रॉड की अगवाई में अपने तेज गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर इंग्लैंड ने तीसरे और आखिरी क्रिकेट टेस्ट में वेस्टइंडीज को 269 रन से हराकर सीरीज 2-1 से जीत ली और विजडन ट्रॉफी भी अपने नाम कर ली। कोरोना वायरस महामारी के बीच चार महीने बाद इस सीरीज के जरिए जैव सुरक्षित माहौल में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की बहाली हुई है। इंग्लैंड ने साउथंपटन में पहला टेस्ट 113 रन से गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए दोनों टेस्ट जीते। रोस्टन चेज और स्टुअर्ट ब्रॉड को संयुक्त रुप से 'प्लेयर ऑफ दि सीरीज' अवॉर्ड दिया गया। वेस्टइंडीज ने जीत के लिए 399 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 5वें और आखिरी दिन मंगलवार को दो विकेट पर दस रन से आगे खेलना शुरू किया। पूरी टीम दूसरी पारी में 129 रन बनाकर आउट हो गई। चौथे दिन सोमवार को बारिश के कारण एक भी गेंद नहीं फेंकी जा सकी थी।

पहले टेस्ट से बाहर रखे जाने के बाद दोनों मैच में शानदार प्रदर्शन करने वाले 'प्लेयर आफ दि मैच' ब्रॉड ने तीसरे टेस्ट में अर्द्धशतक लगाने के साथ 10 विकेट भी लिए। आखिरी दिन खेल बहाल होने पर इंग्लैंड ने कैरेबियाई टीम पर दबाव बनाए रखा। बारिश के खलल के बीच पहले घंटे में ब्रॉड ने 500 विकेट पूरे किए जब उन्होंने सलामी बल्लेबाज क्रेग ब्रेथवेट को एलबीडब्ल्यू आउट किया। ब्रॉड टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में 500 विकेट लेने वाले सातवें गेंदबाज बन गए। ब्रेथवेट 2017 में जेम्स एंडरसन का भी 500वां विकेट बने थे। सर्वाधिक टेस्ट विकेट लेने वाले इंग्लैंड के गेंदबाजों की सूची में ब्रॉड (501) से ऊपर सिर्फ एंडरसन (589) का नाम है। क्रिस वोक्स ने भी वेस्टइंडीज की दूसरी पारी के पांच विकेट चटकाए। इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों ने इतनी अनुशासित गेंदबाजी की कि दूसरी पारी के 37.1 ओवर में सिर्फ एक रन फालतू गया। ये 1912 के बाद पहली बार है कि तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों ने मिलकर 50 या ज्यादा विकेट चटकाए।

ब्रॉड ने शाई होप का कैच भी लपका, जो क्रिस वोक्स को पुल शॉट खेलने की कोशिश में अपना विकेट गंवा बैठे। उन्होंने 31 रन बनाए, जो जनवरी 2019 के बाद उनका सर्वोच्च स्कोर है। शमर ब्रूक्स भी वोक्स को खराब शॉट खेलने के प्रयास में अपना विकेट गंवा बैठे। जर्मेन ब्लैकवुड (23) ब्रॉड का 10वां शिकार बने, जिनका कैच विकेट के पीछे बटलर ने लपका। कप्तान जेसन होल्डर (12), शेन डोरिच (8) और रहकीम कॉर्नवाल (2) को वोक्स ने पैवेलियन भेजा।

ब्रॉड 500 विकेट लेने वाले दुनिया के चौथे तेज गेंदबाज

ब्रॉड ने अपने टेस्ट करियर के 500 विकेट पूरे कर लिए हैं। ऐसा करने वाले वह इंग्लैंड के दूसरे और वर्ल्ड के 7वें गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने वेस्टइंडीज के ब्रैथवेट को अपना 500वां शिकार बनाया है। संयोग वाली बात यह भी है कि इंग्लैंड के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले जेम्स एंडरसन ने भी ब्रैथवेट को ही अपना 500वां शिकार बनाया था। एंडरसन ने 2017 में लॉर्डस टेस्ट के दौरान किया था। ब्रॉड 500 विकेट लेने वाले दुनिया के चौथे तेज गेंदबाज बन गए हैं। उनसे पहले जेम्स एंडरसन, ग्लेन मैक्ग्रा और कर्टनी वॉल्श जैसे तेज गेंदबाज यह कारनामा कर चुके हैं। ब्रॉड तीसरे गेंदबाज हैं, जिन्होंने सबसे कम 28 हजार 430वीं बॉल पर 500वां विकेट लिया। मैक्ग्रा इस मामले में टॉप पर हैं।

वेस्टइंडीज के कप्तान जेसन होल्डर बोले- जल्द ही कुछ नहीं किया गया तो छोटी टीमों की बढ़ेंगी मुश्किलें

उन्होंने कहा कि क्योंकि कोविड-19 महामारी के बीच भारत, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के पास ही जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में मैचों का आयोजन कराने के लिए जरूरी संसाधन हैं.

वेस्टइंडीज | एजेंसी।

वेस्टइंडीज के कप्तान जेसन होल्डर का मानना है कि 'संबंधित' अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि छोटी टीमों को भी नियमित रूप से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने का मौका मिले. क्रिकेट जगत ने महामारी के बीच इंग्लैंड का दौरा करने के वेस्टइंडीज के फैसले की सराहना की थी. मंगलवार को इंग्लैंड ने तीन टेस्ट की सीरीज 2-1 से जीती, जिसके साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट बहाल हुआ था. सीरीज का आयोजन जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में किया गया, लेकिन इससे आयोजन के खर्चे काफी बढ़ गए और होल्डर ने कहा कि वेस्टइंडीज जैसी टीमों को इस तरह का वातावरण तैयार करने में जूझना पड़ सकता है। होल्डर ने तीसरे टेस्ट के समाप्त होने के बाद कहा, 'अगर जल्द ही कुछ नहीं हुआ, तो हम देखेंगे कि छोटे देश कम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल रहे हैं क्योंकि हम यह खर्चा नहीं उठा सकते. अब चार या पांच मैचों की की जगह दो या तीन मैचों की सीरीज हो रही है.उन्होंने कहा, 'और हमारे लिए इससे अधिक की मेजबानी काफी मुश्किल है विशेषकर कैरेबिया में. हमारे लिए यह गंभीर दुविधा है. मुझे लगता है कि संबंधित लोगों को बैठकर इस पर विचार करने की जरूरत है। वेस्टइंडीज और इंग्लैंड के बीच सीरीज सिर्फ दो स्थलों मैनचेस्टर और साउथेम्प्टन में खेली गई और 8 हफ्ते के दौरे के दौरान दोनों टीमें स्टेडियम के होटल में ही ठहरीं. होल्डर ने उम्मीद जताई कि इंग्लैंड की टीम भी उनके नक्शेकदम पर चलते हुए जल्द ही कैरेबियाई देशों का दौरा करेगी।

उन्होंने कहा, 'हम सिर्फ इंग्लैंड की सीरीज से ही पैसा कमाते हैं और मुझे लगता है कि भारत से. ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज से कोई फायदा या नुकसान नहीं होता और बाकी सभी सीरीज से हमें नुकसान उठाना पड़ता है. लेकिन इस मुश्किल के समय में सिर्फ इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और संभवत~ भारत ही क्रिकेट की मेजबानी कर सकते हैं। वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड पर कोविड-19 महामारी के वित्तीय असर को देखते हुए वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों और स्टाफ को वेतन कटौती का सामना करना पड़ रहा है. होल्डर ने कहा, 'वित्तीय रूप से वेस्टइंडीज क्रिकेट के लिए पिछले कुछ साल मुश्किल रहे।

हमें वेतन कटौती का सामना करना पड़ा.'

स्टुअर्ट ब्रॉड गेंदबाजी में तीसरे स्थान पर, जसप्रीत बुमराह एक स्थान फिसले

पिथौरागढ़, एजेंसी। इंग्लैंड के अनुभवी तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के आखिरी मुकाबले में बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की जारी ताजा टेस्ट रैंकिंग में गेंदबाजी में तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं जबकि लंबे समय से मैदान से बाहर चल रहे भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह एक स्थान फिसल कर आठवें नंबर पर आ गए हैं। ब्रॉड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में 31 रन देकर छह विकेट और दूसरी पारी में 36 रन देकर चार विकेट झटके थे और टीम को मैच तथा सीरीज जीताने में अहम भूमिका अदा की थी।

ब्रॉड को उनके इस प्रदर्शन की बदौलत मैन ऑफ द मैच और रोस्टन चेज के साथ संयुक्त रुप से मैन ऑफ द सीरीज चुना गया था। ब्रॉड के इस प्रदर्शन के कारण वह सात स्थान की छलांग लगाकर 823 अंकों के साथ आईसीसी टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। ब्रॉड को विंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट में टीम से बाहर रखा गया था लेकिन दूसरे टेस्ट में उन्हें अंतिम एकादश में जगह दी गयी और उन्होंने इस मौके का पूरा फायदा उठाया। ब्रॉड ने आखिरी के दो टेस्ट मैचों में कुल 16 विकेट झटके। ब्रॉड ने इसके साथ ही मैच के अंतिम दिन वेस्टइंडीज के बल्लेबाज क्रैग ब्रैथवेट का शिकार कर अपने करियर का 500वां विकेट पूरा किया था। वह 500वां विकेट लेने वाले दुनिया के सातवें गेंदबाज बन गये हैं।

एसीबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी लुतफुल्लाह स्टेनिकजई असंतोषजनक प्रदर्शन के कारण बर्खास्त

नई दिल्ली , एजेंसी। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने अपने मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) लुतफुल्लाह स्टेनिकजई को खराब व्यवहार, मिसमैनेजमेंट और असंतोषजनक प्रदर्शन के कारण बर्खास्त कर दिया गया है। स्टेनिकजई का एसीबी के साथ तीन साल का अनुबंध था।

अफगानिस्तान के 50 ओवरों के वर्ल्ड कप में लचर प्रदर्शन के बाद उन्हें पिछले साल जुलाई में नियुक्त किया गया था। अफगानिस्तान की टीम विश्व कप में भी एक भी मैच नहीं जीत पाई थी। एसीबी के चेयरमैन फरहान युसुफजई ने स्टेनिकजई को भेजे गए पत्र में कहा, एसीबी में आपका आखिरी दिन 29 जुलाई 2020 है।

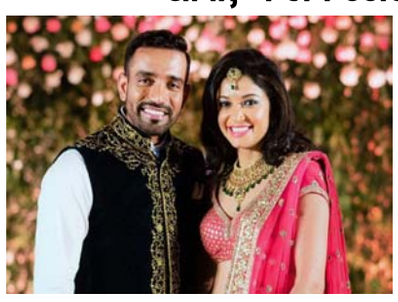

धर्म की दीवार तोड़कर उथप्पा ने की थी टेनिस प्लेयर से शादी, ये लव स्टोरी है जरा हट के

नई दिल्ली , एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा ने साल 2006 में अपने इंटरनेशन करियर की शानदार शुरुआत की थी, जिसके बाद साल 2007 में उन्हें दोनों वर्ल्ड कप, टी-20 वर्ल्ड कप और वनडे वर्ल्ड कप खेलने का मौका मिला था. हालांकि उथप्पा काफी समय से टीम से बाहर चल रहे हैं और इसी वजह से ये कहना मुश्किल है कि वो दोबारा टीम के लिए कब खेल पाएंगे। वैसे आज हम रॉबिन उथप्पा के करियर के बारे में नहीं बल्कि उनकी लव स्टोरी के बारे में बात करने वाले हैं, जो वाकई में काफी दिलचस्प है. वैसे ये कम ही देखा जाता है कि एक खिलाड़ी किसी दूसरे खिलाड़ी से शादी करे, क्योंकि अकसर क्रिकेटर या तो किसी मॉडल से या किसी एक्ट्रेस से शादी करते हैं, मगर रॉबिन ने साल 2016 में टेनिस प्लेयर शीतल गौतम से शादी की थी।जहां शीतल हिंदू परिवार से आती हैं तो वहीं रॉबिन ईसाई धर्म से ताल्लुक रखते हैं. दोनों की पहली मुलाकात साल 2009 में एक कॉमन फ्रेंड के जरिए हुई थी, और पहली ही बार में दोनों एक-दूसरे को पसंद करने लगे थे. धीरे-धीरे मुलाकातें बढ़ने लगीं और दोनों में अफेयर शुरू हो गया. हालांकि रॉबिन और शीतल दोनों ने काफी समय तक अपने रिश्ते को छिपा कर रखा था। फिर साल 2014 में रॉबिन ने शीतल के जन्मदिन की कुछ तस्वीरें अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की तो दुनिया को दोनों के अफेयर के बारे में पता चला. फिर क्या था जो हमेशा होता है, वो इनकी प्रेम कहानी में भी हुआ. दोनों की शादी में धर्म की दीवार आड़े आ गई. दरअसल, रॉबिन और शीतल के परिवार वाले इस रिश्ते के खिलाफ थे, मगर प्यार के आगे परिवार वालों की कौन सुनता है, रॉबिन तो शीतल को प्रपोज कर ही चुके थे। आखिरकार बहुत समझाने पर दोनों के परिवार वालों ने इस शादी के लिए मंजूरी दे ही दी, जिसके बाद साल 2016 में दोनों ने शादी कर ली. अलग-अलग धर्मों से आने की वजह से उनकी शादी दो बार हुई थी।

भारत के इस दिव्यांग क्रिकेटर पर रोजी-रोटी का संकट, चपरासी के पद के लिए किया आवेदन

उनके परिवार में पत्नी के अलावा एक साल का बच्चा है। दिनेश ने सोनीपत में अपने घर से पीटीआई को बताया, मैं 35 साल का हूं और स्नातक की पहले वर्ष की पढ़ाई कर रहा हूं. मैंने 12वीं के बाद सिर्फ क्रिकेट खेला, भारत का प्रतिनिधित्व किया लेकिन अब मेरे पास पैसे नहीं हैं.

नई दिल्ली | एजेंसी।

क्रिकेट के मैदान पर भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करने वाले और दिव्यांग राष्ट्रीय टीम की कप्तानी संभाल चुके दिनेश सैन ने राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी (चपरासी) के पद के लिए आवेदन किया है. बचपन से ही पोलियो से ग्रसित दिनेश ने 2015 से 2019 के बीच भारत की दिव्यांग टीम की ओर से 9 मैच खेले थे और इस दौरान टीम की अगुआई भी की थी. वह 35 साल की उम्र में अपने परिवार के खर्च के लिए तय आय वाली नौकरी ढूंढ रहे हैं. नाडा में चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी के लिए एक पद खाली है. अभी दिनेश का बड़ा भाई उनका और उनके परिवार का खर्चा उठाता है, लेकिन दिनेश ने कहा कि समय निकल रहा है और इसलिए वह नाडा में नौकरी हासिल करना चाहते हैं। जिला अदालत में भी इसी पद के लिए साक्षात्कार दे चुके दिनेश ने कहा, इस नौकरी के लिए सामान्य लोगों के लिए आयु सीमा 25 साल ,लेकिन दिव्यांग वर्ग के लिए 35 साल है. इसलिए यह सरकारी नौकरी हासिल करने का मेरा अंतिम मौका है. दिनेश को सिर्फ इस बात का मलाल है कि देश के लिए खेलने के बावजूद उन्हें पैसा और ख्याति नहीं मिली। उन्होंने कहा, मेरा एक पैर बचपन से ही पोलियो से प्रभावित है, लेकिन क्रिकेट के लिए मेरे जुनून ने मुझे कभी महसूस नहीं होने दिया कि मैं दिव्यांग हूं. 2015 में बांग्लादेश में पांच देशों के टूर्नामेंट में मैं चार मैचों में आठ विकेट के साथ सबसे सफल गेंदबाज था. मैंने पाकिस्तान के खिलाफ भी दो विकेट चटकाए थे. दिनेश 2019 में इंग्लैंड में खिताब जीतने वाली टीम के साथ भी जुड़े थे, लेकिन एक अधिकारी के रूप में। दिनेश ने बताया कि उन्हें टीम में शामिल नहीं किया गया था, लेकिन नए लड़को के मार्गदर्शन के लिए टीम से जुड़ने को कहा गया था. दिनेश ने कहा कि अगर उन्हें नाडा में नौकरी मिलती है तो उन्हें खेल से जुड़े रहने में मदद मिलेगी. उन्होंने कहा, मैं अब और क्रिकेट नहीं खेलूंगा लेकिन मुझे अपने परिवार को पालने की जरूरत है और मैं खेल से जुड़े रहना चाहता हूं।

पाकिस्तानी क्रिकेटर उमर अकमल को राहत, 3 साल का बैन घटकर 18 महीने का हुआ

कराची | एजेंसी।

पाकिस्तानी बल्लेबाज उमर अकमल (द्बह्वद्ब-्रद्मद्बह्वद्य) का 3 साल का बैन बुधवार को घटाकर 18 महीने का कर दिया गया जो साल के शुरू में भ्रष्ट पेशकश की रिपोर्ट नहीं करने के लिए लगाया गया था. उमर अकमल पर आरोप है कि पाकिस्तान सुपर लीग के दौरान उनसे स्पॉट फिक्सिंग के लिए संपर्क किया गया था लेकिन उन्होंने बोर्ड को इसकी जानकारी नहीं दी थी। अकमल का बैन अब फरवरी 2020 से अगस्त 2021 तक प्रभावी होगा. स्वतंत्र अधिनिर्णायक फकीर मोहम्मद खोखर ने 30 साल के खिलाड़ी के प्रतिबंध को कम किया. ये बल्लेबाज हालांकि इससे खुश नहीं है और वह दोबारा अपील करना चाहते हैं। उन्होंने इस फैसले के बाद यहां स्थानीय मीडिया से कहा, 'मुझसे पहले भी काफी क्रिकेटर थे जिन्होंने भ्रष्टाचार किया था लेकिन किसी को भी मेरे जैसी सख्त सजा नहीं दी गयी थी. मैं एक बार फिर अपील करूंगा कि मेरी सजा और कम कर दी जाए। अकमल पर अप्रैल में 3 साल का प्रतिबंध लगाया गया था क्योंकि वह पाकिस्तान सुपर लीग से पहले भ्रष्टाचार की पेशकश की रिपोर्ट करने में असफल रहे थे। उन्होंने अपनी गलती स्वीकार कर ली थी लेकिन उन्होंने अपने पक्ष को सही ठहराने की भी कोशिश की।

18 अगस्त से खेला जाएगा सीपीएल

टोबैगो, एजेंसी। कैरेबियाई प्रीमियर लीग (सीपीएल) टी-20 टूर्नामेंट अगले महीने शुरू होगा, जिसके पहले दिन ट्रिनिबागो नाइटराइडर्स का सामना गयाना अमेजन वॉरियर्स और मौजूदा चैंपियन बारबाडोस ट्रिडेंट्स का सेंट कीट्स एंड नेविस पैट्रियट से होगा। सीपीएल के मुख्य कार्यकारी डेमियन ओडोनो ने कहा कि टूर्नामेंट का आयोजन 18 अगस्त से दस सितंबर के बीच दो स्थानों पर किया जाएगा। इनमें से त्रिनिदाद एवं टोबैगो के टरूबा स्थित ब्रायन लारा क्रिकेट अकैडमी में 23 मैच खेले जाएंगे, जिसमें सेमीफाइनल और फाइनल भी शामिल हैं। बाकी दस मैच पोर्ट ऑफ स्पेन के क्वीन्स पार्क ओवल में खेले जाएंगे।

इशिका चौधरी बोली, जूनियर महिला एशिया कप जीतना मेरी पहली प्राथमिकता

ग्वालियर | एजेंसी।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम की खिलाड़ी इशिका चौधरी ने कहा है कि वर्तमान समय में टीम के साथ जूनियर महिला एशिया कप जीतना उनकी पहली प्राथमिकता है। 20 वर्षीय इशिका ने 11 वर्ष की उम्र से हॉकी खेलना शुरू कर दिया था और मध्य प्रदेश हॉकी एकेडमी से स्नातक किया था। वह भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों में से एक हैं और अपनी सफलता का श्रेय अपने कोच और परिवार को देती हैं। इशिका की सफलता का सफर 2016 में शुरू हुआ जब वह मध्य प्रदेश हॉकी एकेडमी की सीनियर टीम के लिए चुनी गई थीं। इस टीम ने बेंगलुरु में 2016 में हुये छठे हॉकी इंडिया सीनियर नेशनल चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था। इशिका के बेहतरीन प्रदर्शन ने उन्हें जूनियर हॉकी टीम में जगह दिलाई जिसके बाद से उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। वर्ष 2018 में तीसरे युवा ओलंपिक खेलों में रजत पदक जीतने वाली इशिका ने कहा, ÷जब मैं पीछे देखती हूं तो मुझे समझ में आता है कि सीनियर नेशनल्स के लिए मेरा चयन मेरे करियर का महत्वपूर्ण मोड़ था। इसने जूनियर भारतीय टीम में चुने जाने का मेरा रास्ता खोल दिया। मैं इस बात से बहुत खुश हूं कि 2017 में ऑस्ट्रेलियाई हॉकी लीग (महिला) में जूनियर टीम के लिए खेलना शुरू करने से लेकर अब तक मैं देश के लिए अच्छा प्रदर्शन करने में सक्षम रही हूं। इशिका 2019 में आयरलैंड में कैंडर फिट्जेराल्ड अंडर 21 फोर-नेशन्स टूर्नामेंट और ऑस्ट्रेलिया में 3-नेशन्स टूर्नामेंट जीतने वाली टीम का हिस्सा थीं। वह 2018 में बेल्जियम में 6-नेशन्स इन्विटेशनल टूर्नामेंट में उपविजेता रही टीम का भी हिस्सा थीं। इशिका इन सफलताओं से खुश हैं और उन्होंने अपनी और टीम के लिए नये लक्ष्य तय किये हैं जिनमें आठवां जूनियर महिला एशिया कप जीतना प्रमुख है। उन्होंने कहा, ÷किसी भी अन्य युवा की तरह मेरा सपना भारत के लिए खेलना और ओलंपिक में पदक हासिल करने समेत कई ट्रॉफियां जीतना है। इस समय मैं अपने इसी लक्ष्य पर केंद्रित हूं जो आठवां जूनियर महिला एशिया कप जीतना है और 2021 जूनियर महिला विश्व कप में हमारी जगह सुरक्षित करना है।

पैन पैसिफिक ओपन टेनिस टूर्नामेंट रद्द

टोक्यो , एजेंसी। जापान में नवंबर में आरियाक टेनिस पार्क में होने वाला डब्ल्यूटीए पैन पैसिफिक ओपन कोविड-19 के कारण स्थगित कर दिया गया है। आयोजकों ने मंगलवार को इस बात की जानकारी दी। कार्यकारी समिति ने इस टूर्नामेंट को आयोजित कराने को लेकर हरसंभव कोशिश की, लेकिन मौजूदा हालात में इसका आयोजन संभव नहीं है। समिति ने हरसंभव कोशिश की, जिसमें बिना दर्शकों के खाली स्टेडियम में मैच और स्वास्थ्य तथा सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए एंट्री को लेकर पाबंदियां भी शामिल हैं। कोशिशों के बाद कार्यकारी समिति इस टूर्नामेंट को स्थगित करने के फैसले को टाल नहीं पाई और यह फैसला किया गया है कि टूर्नामेंट को रद्द करना जन स्वास्थ्य के हित में है।

दर्शक खुश नहीं हैं तारक मेहता का उल्टा चश्मा के नए एपिसोड से, फैंस दयाबेन को देखने के लिए तरस गए

सब टीवी का फेमस शो तारक मेहता का उल्टा चश्मा की एक बार फिर नए एपिसोड 4 महीने के बाद दर्शकों के लिए टेलीकास्ट हो गए हैं। हालांकि दर्शकों को शो के नए एपिसोड्स पसंद नहीं आ रहे हैं। दरअसल नए एपिसोड्स को लेकर फैंस का कहना है कि शो के कई किरदारों में बदलाव कर दिया गया है। इस वजह से बहुत कमजोर शो की कहानी हो चुकी है। सोशल मीडिया पर इस शो को लेकर फैंस लगातार अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। लगभग 4 महीने बाद शो के दोबारा शुरू होने से फैंस के अंदर जो उत्सुकता थी, वो बिल्कुल खत्म हो गई है। शो की लीड एक्ट्रेस दयाबेन उर्फ दिशा वकानी लंबे समय से शो से गायब हैं उनके चलते भी अब दर्शकों को इस शो को देखने में मजा नहीं आ रहा है। फैंस शो के मेकर्स से उन्हें वापस लाने की अपील कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर फैंस दिशा वकानी के फैन पेज पर अपनी पसंदीदा अभिनेत्री की पुरानी तस्वीर साझा कर रहे हैं। उनसे शो में लगातार फैंस वापस आने की अपील इस तस्वीर पर करते नजर आएंगे। अभिनेत्री दिशा को फैंस

लगातार इस तस्वीर रिएक्शंस दे रहे हैं। उनके सभी फैंस शो में उनको वापस आने को कह रहे हैं। दयाबेन के गुजराती किरदार में दिशा वकानी पूरी तरह से ढल चुकी थी। ऐसे में किसी और कलाकार के लिए कतई उनकी जगह लेना आसान नहीं होगा।इस शो से साल 2017 में मैटर्निटी ब्रेक दिशा ने लिया था। उनकी वापसी का इंतजार फैंस उसके बाद से कर रहे हैं। लेकिन दिन-प्रतिदिन लंबा फैंस का इंतजार होता जा रहा है। मीडिया में आए दिन शो में दिशा के आने की खबरें आती रहती हैं। शो में उनकी वापसी साल 2019 में सामने आयी थी। उनकी शो में एक खास मौके पर उस वक्त कहा गया था कि पेश किया जाएगा। अपना शो में कमबैक वह नवरात्रि के मौके पर करेंगी।

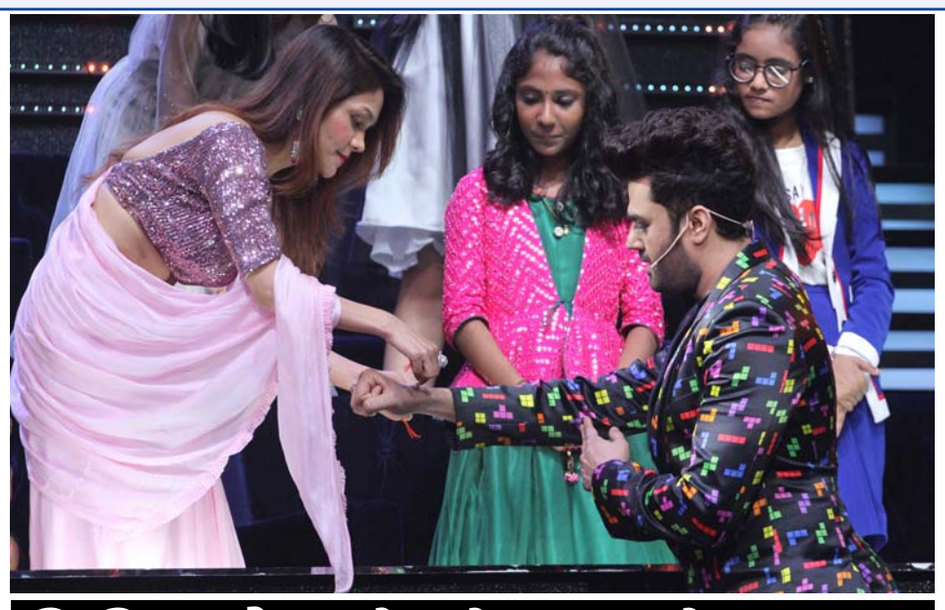

लिटिल चैंप्स के सेट पर सोनू ककड़ ने मनीष पॉल को बांधी राखी!

पॉपुलर सिंगिंग रियलिटी शो 'सारेगामापा लिटिल चैंप्स' में इस वीकेंड दर्शकों को एक शानदार ट्रीट मिलने वाली है, जहां पॉपुलर ककड़ भाई-बहन यानी नेहा ककड़, टोनी ककड़ और सोनू ककड़ इस शो में आएंगे और रक्षाबंधन स्पेशल एपिसोड के दौरान प्रतिभागियों का हौसला बढ़ाएंगे। लेकिन सिर्फ इतना ही नहीं! एक सरप्राइजिंग ट्विस्ट में सोनू ककड़, मनीष पॉल के हाथों में राखी बांधती नजर आएंगी, जिसके बाद मनीष पॉल भी अवाक रह गए। सारेगामापा लिटिल चैंप्स में रक्षाबंधन स्पेशल एपिसोड का प्रसारण शनिवार और रविवार रात आठ बजे जी टीवी पर होगा। जब ककड़ भाई-बहन सारेगामापा लिटिल चौंप्स में आए तो वो मनीष की बहन की तरफ से एक स्पेशल सरप्राइज वीडियो और एक राखी भी साथ लाए। इस वीडियो को देखने के बाद होस्ट मनीष पॉल ने बताया कि वो अपनी बहन को कितना मिस कर रहे हैं और फिर वो बेहद इमोशनल हो गए। मनीष की बहन ज्योति ने वीडियो में बताया, ''मनीष हालांकि तुम मेरे छोटे भाई हो, लेकिन तुमने हमेशा एक बड़े भाई की तरह मेरा ख्याल रखा। जब मेरी शादी हो रही थी, तब मॉम और डैड के साथ मिलकर तुमने सारी जिम्मेदारी संभाली। इस साल पहली बार हम आठ महीनों से नहीं मिले हैं और यह तुम्हारे बिना मेरी पहली राखी है। लेकिन यह इसलिए खास है क्योंकि इस बार तुम्हारा जन्मदिन भी है। तो मेरी ओर से तुम्हें हैप्पी बर्थडे और हैप्पी रक्षाबंधन।'' इस वीडियो को देखने के बाद होस्ट काफी सेंटीमेंटल हो गए और फिर मनीष की बहन की तरफ से सोनू ककड़ ने उनकी कलाई पर राखी बांधी!

जब शख्स ने अमिताभ बच्चन के लिए किया गलत शब्दों का प्रयोग,बिग बी ने दिया मुंह तोड़ जवाब

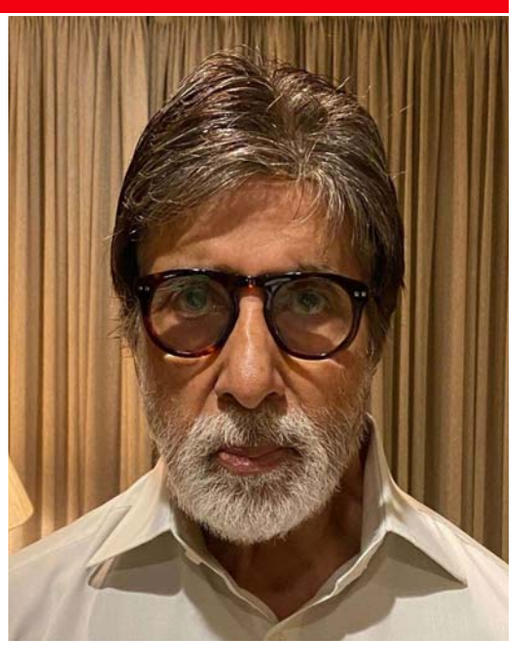

इन दिनों बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन को किसी चीज कि सबसे ज्यादा जरूरत है तो वो प्यार, दुआ और शुभकामनाओं की है। दरअसल बीते कुछ दिनों पहले बिग बी समेत परिवार के 3 सदस्य कोरोना पॉजिटिव पाए गए थे। ऐसे में अमिताभ बच्चन के चाहने वाले और करीबी उनके जल्द ठीक होने की दुआएं करने में लगे हुए हैं। लेकिन कुछ लोग ऐसे भी हैं जो अपनी हरकतों से कभी बाज नहीं आते और वहीं इस बीच अमिताभ बच्चन के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल कर रहे हैं। अब ऐसे ही कुछ लोगों पर बिग बी का गुस्सा फूटा है। हाल ही में एक शख्स ने अमिताभ बच्चन के लिए कहा था कि, मेरी इच्छा है कि आप कोविड-19 से मर जाएं। इस बात की जानकारी खुद अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लॉग में दी है। इसके बाद अमिताभ ने इस शख्स पर अपना गुस्सा जाहिर किया।अमिताभ बच्चन ने अपने एक ब्लॉग लिखा उनकी मौत के बारे में ऐसी बात करने वाले पर गुस्सा निकाला। बिग बी ने लिखा, मिस्टर अज्ञात, आपने अपने बाप का नाम तक नहीं लिखा, क्योंकि आपको नहीं पता कि आपका बाप कौन है। यहां दो चीजें हो सकती हैं या मैं जिंदा रहूंगा या मर जाऊंगा। अगर मैं मर गया तो तुम एक सेलेब्रिटी के नाम पर अपनी भड़ास निकालने, निंदा करने का काम आगे नहीं कर पाओगे। उन्होंने अपने ब्लॉग में आगे लिखा, अफ्सोस कि आपके लिखे को नोटिस में लाने वाला नहीं रहेगा, क्योंकि जिस अमिताभ बच्चन पर आपने कटाक्ष किया, तब वह जिंदा नहीं रहेगा। लेकिन भगवान के आशीर्वाद से मैं बच गया तो फिर तुम लोगों के गुस्से का तूफान झेलोगे, केवल मेरी ओर से नहीं बल्कि मेरे नौ करोड़ फॉलोअर्स की तरफ से, और यह जान लो कि यह दुनिया भर में हैं, हर कौने में, पूरब से लेकर पश्चिम तक, उत्तर से लेकर दक्षिण तक और यह केवल इस पेज की ईएफयानी एक्सटेंडेड फैमिली नहीं है बल्कि एक्सटर्मिनेशन फैमिली है। मुझे बस केवल यह कहना है-ठोक दो साले को। बिग बी का यह ब्लॉग यही समाप्त नहीं हुआ बल्कि आखिरी में उन्होंने लिखा, मारीच, अहिरावन, महिषासुर, असुर, उपनाम हो तुमय हमारा यज्ञ प्रारम्भ होते ही, तुम राक्षसों की तरह तड़पोगे, जान लो इतना की अब तुम ही केवल समाज की आवाज ना होय चरित्रहीन, अविश्वासी, श्रद्धा हीन, लीचड़ तुम होय जलो गलो पिघलो, बेशर्म, बेहया, निर्लज, समाज कलंकी। बता दें अमिताभ बच्चन कोरोना ग्रसित पाए जाने के बाद से अपना इलाज मुंबई के नानावती अस्पताल में करवा रहे हैं। इस दौरान वह सोशल मीडिया पर सक्रिय हैं और फैंस से जुड़े रहने के लिए पोस्ट भी साझा करते रहते हैं।

सोनम कपूर लंदन में 14 दिन का क्वारनटीन खत्म करके पहुंची जिम, तस्वीर साझा करके बताई अपने फीलिंग्स

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनम कपूर ने इन दिनों अपने पति आनंद आहूजा के साथ लंदन में रह रही है। सोनम जब लंदन पहुंची थी तो उन्होंने अपने आपको क्वारनटीन में रखा था। अब जब उनका क्वारनटीन समय पूरा हो गया है तो वह घर से बाहर अब निकल गई हैं। सोनम ने बाहर कदम रखते ही जिम के दर्शन किये हैं। हाल ही में सोशल मीडिया पर जिम से अपनी एक तस्वीर सोनम ने साझा की और अपना एक्सपीरियंस भी फैंस के साथ साझा किया। सोनम इस तस्वीर में मास्क लगाए हुए नजर आ रही हैं। सोनम ने अपनी पोस्ट में लिखा, क्वारनटीन के बाद पहला दिन और सीधे जिम...सच में मैंने सोचा नहीं था कि मैं वापस यहां आकर इतना खुश हो सकती हूं। इतना ही नहीं अपनी पोस्ट में सोनम ने बताया कि वह अपने जिम ट्रेनर को देखकर बेहद खुश थी और धन्यवाद भी उनका किया।

हालांकि अनिल कपूर भी बेटी को जिम में वापस देखकर खुश हैं। सोनम की इस पोस्ट पर अपना रिएक्शन देते हुए कमेंट पर थंब्स अप और हार्ट इमोजी लिखा। दरअसल पति आनंद आहूजा के बर्थडे काउंटडाउन में इन दिनों सोनम कपूर लगी हुई हैं। आनंद के जन्मदिन का सोनम बेसब्री से इंतजार कर रही हैं। बता दें कि एक वीडियो सोनम हर रोज सोशल मीडिया में शेयर कर रही हैं और बता रही हैं आनंद को क्या चीजें पसंद हैं। हालांकि भारत में चार महीने कपल लॉकडाउन के दौरान रहा था उसके बाद लंदन वापस जुलाई महीने में चले गए। वहां जाकर पूरी एहतियात उन्होंने बरती हैं।
सोशल मीडिया पर खुली हवा में समय बिताते अपनी वीडियोज और फोटोज सोनम कपूर आए दिन साझा करती रहती हैं। उनपर क्वारनटीन नियमों का उल्लंघन इस लेकर आरोप लगाए गए थे। सोनम पर आरोप लगाए हुए यूजर्स ने कहा था कि उन्हें अपने घर में इस समय जब रहना चाहिए वह बाहर घूम रही हैं। इसके बाद यूजर्स को सोनम ने करारा जवाब देते हुए कहा था कि यह उनके घर का गार्डन है और वह तस्वीरें और वीडियोज जहां से साझा करती हैं।

हैप्पी बर्थडे संजय दत्त

बॉलीवुड एक्टर संजय दत्त 29 जुलाई यानी आज 61 साल के हो गए हैं।ट्रेंड चल पड़ा। इंडस्ट्री में करीब 4 दशक से अपना सिक्का जामये हुए संजू बाबा ने रॉकी के बाद से बॉलीवुड इंडस्ट्री में एक लंबा सफर तय किया है। वैसे इस पूरे वक्त में अभिनेता के जिंदगी में कई सारे उतार-चढ़ाव भी आये हैं।

बॉलीवुड का खलनायक 61 साल का हुआ,इन दमदार रोल से पर्दे पर मचाई धूम

बता दें संजय दत्त ने अपने करियर की शुरुआत में इंडस्ट्री में जबरदस्त एक्टर के रूप में एंट्री मारी थी और उनकी लंबाई तो अच्छी-खासी थी,लेकिन इसके अलावा मसल्स बनाने और अपनी बॉडी फ्लॉन्ट करने की शुरुआत तो संजय दत्त ने ही की। अपने फिट बॉडी और अभिनय के दम पर संजय दत्त ने धीरे-धीरे अपने करियर में कई सारे रोल्स प्ले किए हैं,जिनके बारे में आज हम अभिनेता के जन्मदिन के खास मौके पर बताने वाले हैं।
1.रॉकी- संजय दत्त ने अपने पिता सुनील दत्त के निर्देशन में बनी फिल्म रॉकी के जरिए अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की। इस फिल्म में संजू बाबा में खूब तहलका मचाया। साथ ही उनके एक अलग ही स्टाइल के लोग कायल हो गए,जिसके बाद वो खूब मशहूर भी हुए। संजय दत्त द्वारा निभाया गया यह किरदार दर्शकों को खूब पसंद आया। महज इसी एक फिल्म से उनकी गाड़ी पटरी पर दौड़ पड़ी।
2.नाम - महेश भट्ट की नाम फिल्म में संजय दत्त मुख्य रोल में थे और यह फिल्म संजय के करियर के लिए अहम साबित हुई थी। इसके बाद से उन्हें एक चर्चित एक्टर के रूप में उन्हें देखा जाने लगा था। खास बात फिल्म के गाने आज तक भी लोगों की जुबां पर जिन्दा हैं।
3.साजन- बात अगर 90 के दशक की करें तो संजय दत्त के लिए ये वक्त काफी अच्छा साबित हुआ,क्योंकि इस दौरान उन्हें फिल्म साजन में काम करने का मौका मिला और इसमें उन्होंने सागर नाम के एक कवि का रोल प्ले किया। अभिनेता फिल्म में सलमान खान के साथ नजर आए। वहीं माधुरी दीक्षित के साथ उनकी केमिस्ट्री को खूब पसंद किया गया।
4.सड़क- फिल्म सड़क में संजय दत्त की जोड़ी पूजा भट्ट के साथ देखने को मिली। वैसे तो फिल्म में सदाशिव अमरापुरकर की एक्टिंग ने आकर्षित किया,लेकिन संजय दत्त भी कुछ पीछे नहीं रहे तभी तो फिल्म में उनका जबरदस्त एक्शन देखने को मिला।
5.खलनायक- संजय दत्त का फिल्म खलनायक करते ही जैसे मानों करियर ही बदल कर रख दिया। सुभाष घई की इस फिल्म में संजय दत्त निगेटिव रोल में नजर आये और उनके इस लुक को दर्शकों ने खूब पसंद भी किया। वैसे ये वही समय था जब संजय दत्त अपनी निजी जिंदगी में भी काफी स्ट्रगल कर रहे थे।
6.मुन्ना भाई एमबीबीएस- संजय दत्त के करियर सबसे दमदार फिल्म मुन्ना भाई। फिल्म में संजय दत्त का किरदार मुर्ली प्रसाद शर्मा लोगों को बहुत पसंद आया। इतना ही नहीं अभिनेता के ऐसे बिंदास और बेबाक रोल ने संजय दत्त की छवि सुधारने में काफी मदद की। बात दें कि इन फिल्मों के अलावा भी पिछले कुछ समय में अभिनेता ने फिल्मों में बहुत सारे ऐसे किरदार निभाएं हैं। जिनमें वे दमदार लुक्स में दिखाई दिए हैं और आज वह बॉलीवुड के सफल अभिनेताओं में से एक हैं।

सोनू सूद का कंगना रनौत से सीधा सवाल,बोले-जब वो कभी सुशांत सिंह राजपूत से मिली नहीं...

फिल्म अभिनेता सोनू सूद का ऐसा मानना है कि सुशांत सिंह राजपूत की आत्महत्या के बाद अब हर कोई इसका फायदा उठाने के चक्कर में है। इतना ही नहीं सोनू ने इन सभी चीजों को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। वहीं दिवंगत एक्टर सुशांत की मौत के बारे में बातचीत करते हुए सोनू सूद ने अभिनेत्री कंगना रनौत पर बिना नाम लिए निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग कभी सुशांत से मिले भी नहीं, वे इस मुद्दे पर बहस करना चाहते हैं। गौरतलब है कि सुशांत सिंह के निधन के बाद से कंगना लगातार बॉलीवुड में भाई-भतीजावाद की बातें करने में लगी हुई हैं। उनका यह भी दावा है कि सुशांत के साथ भी बॉलीवुड में कुछ प्रड्यूसर और डायरेक्टर्स ने गुटबाजी की जिस वजह से वह डिप्रेशन का शिकार हुए हैं। कंगना ने एक टीवी इंटरव्यू में करण जौहर, आदित्य चोपड़ा और महेश भट्ट पर भी आरोप लगाए थे। इसके बाद पुलिस इन सभी से पूछताछ कर चुकी है। अब खबर है करण जौहर से पूछताछ के बाद मुंबई पुलिस ने कंगना को भी बयान देने के लिए समन भेजा है। हाल ही में एक्टर ने एक टीवी चौनल से बात करते हुए इन सभी बातों का जिक्र किया है। वहीं कंगना ने इस बात को खुद स्वीकार किया था कि वह कभी भी सुशांत सिंह राजपूत से नहीं मिली हैं। कंगना ने यह भी कहा था कि हालांकि उन्होंने सुशांत से कभी बात नहीं की लेकिन वह मणिकर्णिका में अपनी को-स्टार रहीं अंकिता लोखंडे से सुशांत के बारे में जानकारी लेती रहती थीं। अंकिता ने 6 साल तक सुशांत को डेट किया था।
बता दें कि कंगना की फिल्म मणिकर्णिका द क्वीन ऑफझांसी में पहले सोनू सूद को भी कास्ट किया गया था और 45 दिन की शूटिंग पूरी कर लेने के बाद सोनू ने इस फिल्म को करने से इंकार कर दिया था जिसके बाद कंगना ने बोला कि सोनू एक महिला डायरेक्टर के नीचे काम नहीं करना चाहते थे। हालांकि इस बात को सोनू ने महज बकवास बताया था और कहा कि कंगना ने उनका रोल काट दिया था जिसके कारण उन्होंने फिल्म से खुद को अलग कर लिया था।

कंचन उजाला
हिंदी दैनिक
नमोकंचन कार्पोरेट सर्विसेस (एल.एल.पी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशन कंचन सोलंकी द्वारा उमाकान्ती ऑफसेट प्रेस, ग्राम डेहवा पोस्ट मोहनलाल गंज लखनऊ से मुद्रित एवं 61/18 चुटकी भण्डार हुसैनगंज लखनऊ से प्रकाशित।
संपादक- कंचन सोलंकी
TITLE CODE- UPHIN48974
Mob: 8896925119, 9695670357
Email: kanchansolanki397@gmail.com
नोटः समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारो एवं लेखों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही। समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायालय के अधीन होगा।